भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

13 मई - 19 मई 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - एकादशी , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-11, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

चलने लगा परिंडे बांधने का मौसम!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हमेशा गर्मियों के दिनों में पानी की किल्लत मचती ही है। इस किल्लत को कोई सीजन कहता है तो कोई परेशानी का समय। सीजन इसलिए कि कई पानी बेचने वाले व्यापारी पानी सप्लाई को लेकर सीजन शब्द का इस्तेमा करते हैं। खैर मनुष्य को जीने के लिए पानी तो चाहिए ही। आदमी तो पानी के लिए कहीं भी भाग-दौड़ कर अपनी व्यवस्था कर ही लेता है, मगर मूक जीवन जिनमें पशु-पक्षी और जंगलों में रहने वाले जानवरों पर क्या बीतती होगी। ऐसे समय में कुछ लोग होते हैं जिनके मन में ऐसे जीवों के लिए पानी उपलब्ध कराने का विचार आता है और वे पक्षियों के लिए परिंडे बांधते हैं। परिंडे तो बांध देते हैं और एक परिंडे के साथ-साथ दसियों लोग फोटो खिंचवाते दिखाई देते हैं और उन फोटोज को अखबारों में प्रकाशित करवाने की कोशिश या यूं कहें कि व्यवस्था करवाते हैं। परिंडे बंध गए और फोटो खिंच गई। समाज और लोगों में ऐसे परिंडे बांधने वालों की पहचान हो गई। बात खत्म हो गई। अब ये किसी को चिंता नहीं कि परिंडों में पानी भी कोई भरता है या नहीं। पहले दिन के अलावा अगले दिन से पेड़ों पर बांधे गए परिंडे बेचारे खाली हिलते रहते हैं। उनमें कोई पानी नहीं भरता। प्यासे पक्षी आते हैं और एक से दूसरे परिंडे पर पानी के लिए उड़ते-भटकते रहते हैं। ऐसी भी क्या मजाक पक्षियों के साथ। दूसरी तरफ जो जंगली जानवर हैं उनका तो कोई धणी-धोरी ही नहीं है। एक तरफ तो पानी की तलाश में इधर-उधर भटकाव और दूसरी तरफ भूखे प्यासे हिंसक पशु निरीह और निरामिष पशुओं एवं अन्य जानवरों का शिकार कर लेते हैं। जंगल में रहने वाले पशु पानी की तलाश में आबादी क्षेत्रों में घुस आते हैं। ऐसे में लोग भय के मारे उसे मारने-कूटने लग जाते हैं। मार से कोई जानवर घायल हो जाता है तो मानव हिंसा का शिकार होकर कालकवलित हो जाता है।

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये, जब लग घट में प्राण।।

हमारी भारतीय संस्कृति दया, धर्म और कर्म पर आधारित है। यहां जलचर, थलचर और नभचर। तीनों ही तरह के जीवों को प्रकृति से जोड़कर उनकी किसी ना किसी बहाने पूजा की जाती है। उनको खाने पीने के लिए कुछ न कुछ व्यवस्था भी की जाती है। जैसे पानी में रहने वाले जीव यथा मछलियों के लिए आटा, थलचरों में गाय-बैल भी पूजनीय माने जाते हैं और पक्षियों में कौए को भी श्रद्धा से बुलाया जाता है। इसी कड़ी में गर्मियों के दिनों में जानवरों को पानी पीने के लिए खेड़ भरी जाती है। कई जगह पर नदी और तालाब सूख जाते हैं तो उनमें वैकल्पिक रूप से पानी भरा जाता है ताकि झुलसती हुई इस गर्मी में उन्हें पानी उपलब्ध हो सके।

shivdayalmishra@gmail.com

CBI करेगी जांच, करीब 23 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी

नीट 2026 परीक्षा रद्द

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी NTA ने 3 मई को हुई NEET 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। यह फैसला पेपर लीक होने की आशंका के चलते लिया गया है। परीक्षा की नई डेट्स जल्द जारी की जाएंगी। NTA ने कहा है कि केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद परीक्षा रद्द की गई है। मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो करेगा।

फीस वापिस होगी, दोबारा रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा

NTA ने जानकारी दी है कि स्टूडेंट्स को दोबारा परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा। पिछले एग्जाम सेंटर्स में भी कोई बदलाव नहीं होगा। रीएग्जाम के लिए नए एडमिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा परीक्षा में शामिल छात्रों की फीस भी वापिस की जाएगी।

8 मई को शुरू हुई थी जांच

NTA ने बताया कि 8 मई 2026 को ही इस मामले से जुड़ी कुछ जांचों को केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दिया गया था, ताकि परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अब, जांच एजेंसियों से मिली जानकारी और सरकार की मंजूरी के बाद, NTA ने फैसला लिया है कि 3 मई 2026 को हुई NEET (UG) परीक्षा को रद्द किया जाता है और इसे दोबारा कराया जाएगा। नई परीक्षा की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। जांच एजेंसियों से मिले निष्कर्षों के आधार पर यह तय किया गया कि मौजूदा परीक्षा प्रक्रिया को जारी नहीं रखा जा सकता था। इसलिए पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा दोबारा कराई जाएगी।

राजस्थान में मिले थे हाथ से मिले गैस पेपर

» 3 मई को देशभर में NEET UG 2026 की परीक्षा हुई थी। आशंका है कि परीक्षा का पर्चा पहले ही लीक हो गया था। राजस्थान में कई स्टूडेंट्स के पास हाथ से लिखा हुआ गेस पेपर मिला है जिसके सवाल असल परीक्षा से मैच हो रहे हैं।

» 10 मई को राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप यानी SOG ने इंटेल इनपुट पर कार्रवाई करते हुए देहरादून, सीकर और झुंझुनू से 13 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इसमें सीकर के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट के जुड़े करियर काउंसकर भी शामिल हैं

600 नंबर के सवाल कॉमन

जांच में सामने आया है कि परीक्षा के 720 में से 600 नंबर के सवाल दो दिन पहले ही सीकर में छात्रों के पास पहुंच गए थे। दरअसल, एक गेस पेपर केरल के एक कॉलेज से MBBS कर रहे स्टूडेंट ने 1 मई को सीकर में अपने एक दोस्त को भेज दिया था।

हाथ से लिखे प्रश्न छात्रों को मिले

» SOG अभी मामले की जांच कर रही है। एजेंसी मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए कड़ी से कड़ी जोड़ रही है। सभी संदिग्धों की सोशल मीडिया चैट और कॉल लॉग्स खंगाले जा रहे हैं। दरअसल, ये एक गेस पेपर की तरह लोगों तक पहुंचा है और SOG अभी जांच कर रही है कि इसे पेपर लीक माना जाए या नहीं।

» स्टूडेंट्स तक जो 'क्वेश्चन बैंक' पहुंचा है, उसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल हैं। ये सभी हाथ से लिखे गए हैं और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही है। इसमें से 150 सवाल हूबहू NEET UG 2026 के पेपर में आए।

» एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी विशेष गेस पेपर से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना आमतौर पर नहीं होती।

2024 में भी हुआ था पेपर लीक

2024 में भी NEET UG परीक्षा पेपर लीक के चलते कुछ सेंटर्स पर रद्द कर दी गई थी। परीक्षा 5 मई 2025 को हुई थी। 6 मई को NTA ने पेपर लीक की बात से इनकार किया था। इसके बाद बिहार (पटना) और झारखंड (हजारीबाग) में जांच हुई। जांच में पेपर लीक के सबूत मिले और कई गिरफ्तारियां भी हुईं थीं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था और कुछ सेंटर पर 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के अलावा, 67 छात्रों को 720/720 अंक मिलना और एक ही केंद्र से कई टॉपर्स का आना बड़े विवाद बना था।

पेपर में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई थी-गहलोत

NEET (UG) 2026 की प्रवेश परीक्षा रद्द कर दी गई है. इसके बाद पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "NEET (UG) प्रवेश परीक्षा का रद्द होना यह दर्शाता है कि इस पेपर में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई थी। राजस्थान की भाजपा सरकार ने जानबूझकर दो सप्ताह तक, इसे छिपाने की कोशिश की, और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द कर और सीबीआई को जांच सौंपकर युवाओं के हित में एक साहसिक निर्णय लिया है।" उन्होंने आगे लिखा, "राजस्थान की भाजपा सरकार ने पहले कर्मचारी चयन बोर्ड में हुए OMR शीट घोटाले को छिपाया, जिससे सरकार की बदनामी न हो। कमजोर पैरवी के कारण उस मामले के आरोपियों को जमानत भी मिल गई। अब NEET (UG) परीक्षा लीक की जानकारी को भी छिपाया।

'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया-टेम्पोरल एनालिसिस एण्ड पॉलिसी रौडमेप फॉर क्वालिटी इन्हेंसमेंट' रिपोर्ट

राजस्थान देशभर में अव्वल

नीति आयोग ने राजस्थान के सकारात्मक शैक्षणिक परिदृश्य को किया रेखांकित

सर्वाधिक 35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रदेश में भारत का हर ऐसा तीसरा विद्यालय संचालित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान देश का एकमात्र प्रदेश है जहां विद्यार्थियों को सर्वाधिक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा एक ही जगह उपलब्ध हो रही है।

नीति आयोग ने 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया-टेम्पोरल एनालिसिस एण्ड पॉलिसी रौडमेप फॉर क्वालिटी इन्हेंसमेंट' की नवीनतम रिपोर्ट में इस उपलब्धि को रेखांकित किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2024-25 में पूरे देश में केवल 5.4 प्रतिशत विद्यालयों में 1 से 12 कक्षा तक एकीकृत शिक्षा सीमित रही। जबकि अकेले राजस्थान में ही यह आंकडा पूरे देश का लगभग 35 प्रतिशत दर्ज किया गया है। यानि देश का 1 से 12वीं तक की एकीकृत शिक्षा उपलब्ध करवाने वाला हर तीसरा विद्यालय राजस्थान में संचालित है। इस प्रकार, प्रदेश के 27 हजार 889 विद्यालय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा उपलब्ध करवा रहे हैं।

नीति आयोग ने रिपोर्ट में जिक्र किया कि प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक के एकीकृत विद्यालयों की कमी होने से विद्यार्थियों को बार-बार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेना पड़ता है। जिसके फलस्वरूप ड्रॉप आउट की संख्या में वृद्धि की आशंका रहती है। वहीं, अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में 1 से 12वीं कक्षा तक के एकीकृत विद्यालयों का मजबूत नेटवर्क तैयार हुआ है जिससे शैक्षणिक संकेतकों में अपेक्षित सुधार हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान शैक्षणिक उपलब्धियों के केन्द्र के रूप में उभरा है। उनके कुशल मार्गदर्शन में शैक्षणिक संस्थानों का निरन्तर विकास, विस्तार और उन्नयन किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों के लिए बेहतर शिक्षा का वातावरण तैयार हुआ है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

कनिष्ठ सहायक सीधी भर्ती-2024 के चयनित अभ्यर्थियों हेतु विभाग आवंटन विकल्प आमंत्रित

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती-2024 के लिए मुख्य सूची से चयनित गैर अनुसूचित क्षेत्र के 08, प्रतीक्षा सूची से चयनित गैर अनुसूचित क्षेत्र के 113 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 12 (पृथक-पृथक) अभ्यर्थियों से विभागों के विकल्प आमंत्रित किये जाते हैं। अभ्यर्थी वेबसाईट (ard.rajasthan.gov.in) पर उपलब्ध लिंक पर अपने एस.एस.ओ. आईडी एवं पासवर्ड का प्रयोग कर ऑनलाईन विंडो पर अपने विकल्प/वरीयता दिनांक 13 मई 2026 प्रातः 11 बजे से दिनांक 19 मई 2026 सायं 5 बजे तक आवश्यक रूप से भरना सुनिश्चित करें। बोर्ड द्वारा चयनोपरान्त अधीनस्थ विभागों / कार्यालयों हेतु अभिस्तावित अभ्यर्थियों को विभाग आवंटन किया जायेगा इस संबंध में विस्तृत निर्देश ऑनलाईन विंडो पर प्रदर्शित है। किसी भी प्रकार के नये निर्देश या परिवर्तन की सूचना विभाग की वेबसाईट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। इस संबंध में पृथक से कोई विज्ञप्ति जारी नहीं की जायेगी। अतः कृपया संबंधित अभ्यर्थी वेबसाईट देखते रहें।

सहायक आचार्य भर्ती-2024 के साक्षात्कार 26 को

जयपुर @ जागरूक जनता। आरपीएससी ने जारी किया इंटरव्यू कार्यक्रम, डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोसी पदों के लिए होंगे साक्षात्कार, मेडिकल एजुकेशन विभाग के पदों पर होगी भर्ती, अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेज, पासपोर्ट साइज फोटो और फोटोयुक्त पहचान पत्र भी अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा।

भजनलाल ने जोधपुर स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीरता, स्वाभिमान, संस्कृति एवं समृद्ध विरासत की अनुपम पहचान सूर्यनगरी जोधपुर के स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि यह ऐतिहासिक नगरी अपनी गौरवशाली परंपराओं, लोक संस्कृति एवं अद्वितीय स्थापत्य कला के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध पहचान को विश्वभर में प्रतिष्ठित करती रही है।

प्रवासी राजस्थानियों ने उद्यमशीलता की बदौलत देश-विदेश में बनाई अपनी अलग पहचान

बदलते राजस्थान में प्रवासी राजस्थानी भी निभाएं अपनी सक्रिय भूमिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी उद्यमशीलता से देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। राजस्थानी जहां भी रहते हैं, अपनी परम्परा, संस्कृति और मिट्टी से जुड़ाव बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में बसे राजस्थानियों का यही जुड़ाव राजस्थान को ताकत प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में राजस्थान फाउंडेशन के असम नॉर्थ ईस्ट चैप्टर की ओर से आयोजित अभिनंदन एवं स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रवासी राजस्थानी, विशेषकर मारवाड़ी समाज सामाजिक दायित्वों और परिश्रम के माध्यम से जन्मस्थली राजस्थान और कर्मभूमि असम को सम्पन्नता की ओर ले जाने में महती भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार 23 से 25 मई तक जयपुर में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) 2026 का आयोजन करने जा रही है। इसमें हजारों किसान एवं पशुपालक, देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, तकनीकी जानकार, कृषि प्रसंस्करण उद्योगपति, स्टार्टअप एवं एग्रीटेक डेवलपर सम्मिलित होंगे।उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को इस महत्वाकांक्षी आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी बिजली, पानी से जूझता राजस्थान आज बदल रहा है। सभी जिलों में बिजली व पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, कृषि, उद्योग और पर्यटन क्षेत्रों में भी विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान करते हुए कहा कि बदलते राजस्थान में वे भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानी समाज को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन को अधिक सक्रिय बनाया गया है ताकि देश के कोने-कोने में बसे प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। इस अवसर पर राजस्थान फाउण्डेशन के असम नॉर्थ ईस्ट चैप्टर के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

UEM ने तैयार किया ताज़ी हवा देने वाला सिस्टम, सुधारेगा हवा की गुणवत्ता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर ने पर्यावरण स्थिरता और हरित नवाचार के क्षेत्र में एक शानदार उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सफलतापूर्वक एक शैवाल-आधारित ताज़ी हवा बनाने वाला सिस्टम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य हवा की गुणवत्ता में सुधार करना और कैंपस में एक स्वस्थ वातावरण बनाना है। इस अग्रणी पहल के माध्यम से, विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) को 52 तक बेहतर बनाया है, जो कैंपस परिसर के भीतर आसपास की हवा की स्थिति में एक महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाता है।

इस अभिनव पर्यावरणीय पहल का नेतृत्व डॉ. मनदीप सिंह ने किया है, जिन्हें लोकप्रिय रूप से "शैवाल-मानव" (Algae-man) के नाम से जाना जाता है। सतत विकास के प्रति उनके दूरदर्शी शोध और प्रतिबद्धता ने इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पहल " सस्टेनेबल इनोवेशंस फॉर क्लीन फ्यूचर " (SICF) के बैनर तले की गई थी, जिसमें श्वरूजयपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों का सक्रिय समर्थन और योगदान रहा। यह परियोजना आसपास की हवा को शुद्ध करने और हानिकारक प्रदूषकों को कम करने के लिए शैवाल की प्राकृतिक कार्बन अवशोषण और ऑक्सीजन उत्पादन क्षमताओं का उपयोग करती है। शैवाल अत्यधिक कुशल जैविक जीव हैं जो पारंपरिक पौधों की तुलना में बहुत तेजी से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने और ऑक्सीजन छोड़ने में सक्षम हैं। वैज्ञानिक शोध को व्यावहारिक पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करके, शोध टीम ने बढ़ते प्रदूषण के स्तर से निपटने और शहरी हवा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण प्रदर्शित किया है।

यह पहल न केवल विश्वविद्यालय कैंपस में स्वच्छ और ताज़ी हवा में योगदान देती है, बल्कि सतत पर्यावरणीय प्रथाओं के लिए एक मॉडल के रूप में भी कार्य करती है, जिसे पूरे देश में शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और शहरी क्षेत्रों में दोहराया जा सकता है। इस शैवाल-आधारित वायु शुद्धिकरण मॉडल का सफल कार्यान्वयन शोध-संचालित नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और सतत तकनीकी प्रगति के प्रति EM जयपुर की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बोलते हुए, प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, EM जयपुर, ने पूरी शोध टीम को बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय लगातार ऐसे अभिनव विचारों को प्रोत्साहित करता है जो वास्तविक दुनिया की सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "सस्टेनेबल इनोवेशंस फॉर क्लीन फ्यूचर" (SICF) के तहत विकसित यह शैवाल-आधारित ताज़ी हवा की पहल इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे वैज्ञानिक शोध सीधे तौर पर पर्यावरणीय स्थिरता और जन कल्याण में योगदान दे सकता है। उन्होंने आगे बताया कि श्वरू जयपुर एक बेहतर भविष्य के लिए प्रभावशाली अंतर-विषयक अनुसंधान और हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उपलब्धि पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार और प्रोवोस्ट, श्वरू जयपुर, ने इस अत्यंत नवीन परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए डॉ. मनदीप सिंह, सस्टेनेबल इनोवेशंस फॉर क्लीन फ्यूचर (SICF) की टीम और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व को एकीकृत करने के विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करती हैं।

RPSC SI भर्ती 2021 रद्द

20 सितंबर को होगी दोबारा परीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए साल 2021 की उप निरीक्षक (SI) और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा को आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया है। 12 मई 2026 को जारी प्रेस नोट के अनुसार, यह निर्णय परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के आरोपों की जांच के बाद लिया गया है। आयोग ने अब इस परीक्षा के पुनः आयोजन के लिए 20 सितंबर 2026 की तिथि निर्धारित की है।

केवल पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश

इस पुनः परीक्षा में सभी पुराने आवेदक शामिल नहीं हो सकेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि केवल वे 3,83,097 अभ्यर्थी ही इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे, जिन्होंने सितंबर 2021 में आयोजित हुई मूल लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्नपत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। जिन्होंने पूर्व में परीक्षा छोड़ दी थी, वे इस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

आवेदन फॉर्म में सुधार 30 तक

अभ्यर्थियों को अपने पुराने आवेदन पत्र में आवश्यक सुधार के लिए 16 मई से 30 मई 2026 तक का समय दिया गया है। इस दौरान उम्मीदवार अपने मोबाइल नंबर, ईमेल और पते जैसी जानकारियों को अपडेट कर सकेंगे। हालांकि, आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यता का आधार साल 2021 के मूल नोटिफिकेशन के अनुसार ही रहेगा। आयोग ने कड़े निर्देश दिए हैं कि जिन अभ्यर्थियों को अपने फॉर्म में कोई बदलाव नहीं करना है, उन्हें भी पोर्टल पर जाकर 'संशोधन की आवश्यकता नहीं' की घोषणा करनी होगी और बायोमेट्रिक सहमति देनी होगी। इस प्रक्रिया को पूरा न करने पर अभ्यर्थी का आवेदन निरस्त माना जाएगा। बताते चलें कि 859 पदों के लिए शुरू हुई यह भर्ती प्रक्रिया लंबे समय तक कानूनी विवादों और एसओजी (SOG) की जांच के घेरे में रही। डमी कैंडिडेट्स और नकल गिरोह की संलिप्तता के कारण कई ट्रेनी सब-इंस्पेक्टरों की गिरफ्तारियां भी हुई थीं।

झरोखे से देखो-विद्याधर नगर के हाल

दुर्घटना को आमंत्रण देती नवनिर्मित सर्किल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूं तो जयपुर में चारों तरफ अच्छी-अच्छी कॉलोनियां और उप नगर बहुतायत में विकसित हो रहे हैं। जिनकी अपनी अच्छाई और बुराई दोनों ही समाहितै है। लेकिन हम यहां जयपुर की पाश कॉलोनी विद्याधर नगर की चर्चा कर रहे हैं जो चार दीवारी में बसे जयपुर की नकल पर बसाया गया था। मगर चारदीवारी जैसा तो नहीं बन सका, फिर भी थोड़ा बहुत वैसा दिखाई देता है। यहां चौड़े-चौड़े रास्ते, सड़कें और सर्किल और सैन्ट्रल स्पाइन जैसे आधुनिक बाजार भी हैं। जब से विद्याधर नगर विधानसभा सीट पर लोकप्रिय और सबकी चहेती दिया कुमारी विजयी होकर विधायक और फिर उप मुख्यमंत्री बनी हैं तब से ही यहां विकास कार्य हो रहे हैं आमजन की समस्याओं को भी सुना जाता है और उनका निराकरण भी होता है। अब आते हैं मुद्दे पर तो, मंदिर मोड़ से अलका सिनेमा की तरफ जाते हैं तो कुछ दूर चलने पर एक छोटा सा कट आता है। उस कट पर कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं उस कट को दुर्घटनाओं से निजात दिलाने के लिए पिछले दिनों एक छोटी सी सर्किल बना दी गई है। सर्किल बनाने के बाद वहां वाहनों को निकलने के लिए जगह बहुत ही कम बचती है और वाहनों के टकराने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ गई है। एकाध बार तो वाहन टकरा भी चुके हैं। सर्किल पूरी तरह बन भी नहीं पाई है कि वाहन सर्किल से ही टकरा गए और सर्किल को गोलाकार बनाने के लिए जो सीमेंट की ईंटे रखी गई थी वे भी टूट गई। आमजन की सुविधा के बजाए यह दुविधा बन गई है या तो इस सर्किल को हटाया जाए या फिर दोनों ओर डिवाइडरों को छोटा किया जाना चाहिए नहीं तो यहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

इस कॉलम में आपको विद्याधर नगर की वास्तविक खबरों से अवगत कराया जाएगा। एक तरफ विकास कार्य हो रहे हैं तो दूसरी ओर कुछ खामियां भी हैं जिनकी ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। आप भी हमें ऐसे ही किसी वस्तु को भेजना चाहते हैं तो हमें भेजें।
9928022718, 9829329070
jagrukjantanews@gmail.com

विक्रम राठौड़ डॉ.भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के सलाहकार मनोनीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा स्थापित राजस्थान के एकमात्र विधि विवि डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर ने राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग, राजस्थान सरकार के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ को कुलगुरु प्रो. (डॉ.) निष्ठा जयसवाल द्वारा विवि का सलाहकार (जनसंपर्क) मनोनीत किया गया है। सलाहकार के रूप राठौड़ द्वारा विश्वविद्यालय को स्वैच्छिक परामर्शीय सेवाएं प्रदान की जाएगी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीरेंद्र कुमार वर्मा (आरएएस) द्वारा इस संबंध में राठौड़ के मनोनयन के आदेश जारी किए गए हैं। राठौड़ जनसंपर्क सलाहकार के रूप में विधि शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार, विश्वविद्यालय की हितकारी नीतियों-उपलब्धियों, नवाचारों और शैक्षणिक गतिविधियों को विश्वविद्यालय के हितधारकों और आमजन के मध्य प्रभावी प्रचार -प्रसार के साथ-साथ जनसंपर्क रणनीतियों को सुदृढ़ बनाने में परामर्श प्रदान करेंगे।

नीड़ की ओर से शनिवार व रविवार परिंड़ों का वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पक्षियों के संरक्षण व संवर्धन में जुटी संस्था नीड़ की ओर से आगामी शनिवार व रविवार 16 व 17 मई को दाना-पानी परिंड़ों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। नीड़ के संयोजक अजीत तिवारी ने बताया कि शनिवार 16 मई को प्रातः 7:00 से 8:00 बजे लैंडस्केप पार्क तथा रविवार 17 मई को प्रातः 7 से 8 बजे रोज गार्डन में दाना-पानी के परिंड़े निःशुल्क वितरित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि मई व जून में भीषण गर्मी से पक्षियों को बचाने के लिए पर्याप्त दाना-पानी की व्यवस्था आवश्यक है। इस दिशा में गत वर्ष से दिए जा रहे निरंतर प्रयासों से विभिन्न बाग-बगीचों व घरों की छतो-पेड़-पौधों पर विभिन्न पक्षियों की चहचहाट सुनाई देने लगी है । इस आयोजन के तहत मई-जून में डेढ़ सौ दाना-पानी के परिंड़ों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

जिसकी रक्षा खुद ईश्वर करे, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता

60 फीट गहरे कुएं में फेंकी गई नवजात, मौत को मात देकर बिना खरोंच बाहर आई मासूम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कहते हैं कि जिसकी रक्षा खुद ईश्वर करे, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के तिजारा कस्बे में मंगलवार सुबह कुछ ऐसा ही कुछ देखने को मिला। यहां एक कलयुगी मां ने अपनी ही चंद घंटों की मासूम बच्ची को पालपुर रोड स्थित एक 60 फीट गहरे कुएं में मरने के लिए फेंक दिया। लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। इतनी ऊंचाई से गिरने के बावजूद मासूम बच्ची को एक खरोंच तक नहीं आई।

रस्सी के सहारे नीचे उतरकर युवक ने किया रेस्क्यू

सुबह जब कुएं के पास से गुजर रहे ग्रामीणों ने अंदर से किसी के रोने की आवाज सुनी, तो वे ठिठक गए। जब कुएं में झांका गया तो नीचे एक नवजात बच्ची सुरक्षित नजर आई। किसी को यकीन नहीं हो रहा था कि इतने गहरे और अंधेरे कुएं में गिरने के बाद भी बच्ची सही-सलामत है। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और गांव का एक जांबाज युवक रस्सी के सहारे नीचे उतरा। उसने बच्ची को अपनी गोद में लिया और सुरक्षित बाहर निकाल लाया। बाहर आते ही जब बच्ची का शरीर देखा गया, तो वह पूरी तरह सुरक्षित थी।

डॉक्टर भी हैरान, अब अलवर में हो रही देखभाल

बच्ची को तुरंत तिजारा के उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच की। बीसीएमओ डॉ. मनोज यादव ने बताया कि बच्ची का जन्म करीब 24 घंटे पहले हुआ लग रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि प्राथमिक जांच में बच्ची के शरीर पर कोई बाहरी चोट या खरोंच के निशान नहीं मिले। हालांकि, एहतियात के तौर पर और बेहतर निगरानी के लिए उसे अलवर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

पुलिस कर रही 'कलयुगी मां' की तलाश

इस घटना ने जहां एक तरफ लोगों को हैरान कर दिया है, वहीं दूसरी तरफ लोगों में इस कृत्य को लेकर भारी गुस्सा है। तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की टीमें इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं और स्वास्थ्य केंद्रों से हाल ही में हुए प्रसव का डेटा जुटाया जा रहा है ताकि इस मासूम को मौत के मुंह में धकेलने वालों तक पहुंचा जा सके।

'पैलेस ऑन व्हील्स' ने रचा इतिहास, 45 साल में पहली बार मई माह में चलेगी ट्रेन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की शाही पहचान मानी जाने वाली लग्जरी ट्रेन 'पैलेस ऑन व्हील्स' अपने 45 साल के इतिहास में पहली बार मई महीने में दौड़ने जा रही है। अब तक यह ट्रेन हर साल सितंबर से अप्रैल के बीच ही संचालित होती थी, लेकिन इस बार विशेष मांग को देखते हुए इसे मई में भी चलाने का निर्णय लिया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बढ़ती मांग और विशेष चार्टर बुकिंग के कारण यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया है।

देश की पहली लग्जरी हेरिटेज ट्रेन मानी जाने वाली 'पैलेस ऑन व्हील्स' की शुरुआत 26 जनवरी 1982 को हुई थी। यह ट्रेन राजस्थान पर्यटन विकास निगम और भारतीय रेलवे की संयुक्त पहल है। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित लग्जरी ट्रेनों में शामिल यह ट्रेन विदेशी और भारतीय पर्यटकों को राजस्थान की शाही संस्कृति, विरासत और राजसी आतिथ्य का अनोखा अनुभव कराती है।

पूरी ट्रेन मई के लिए बुक

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि मई महीने में राजस्थान में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है, इसलिए पहले कभी इस मौसम में ट्रेन का संचालन नहीं किया गया। लेकिन इस बार एक बड़े राष्ट्रीयकृत बैंक ने पूरी ट्रेन को विशेष यात्रा के लिए बुक किया है। ऐसे समय में जब वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं, यह बुकिंग देश के पर्यटन क्षेत्र में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।

2610 किलोमीटर का होगा शाही सफर

यह विशेष यात्रा 20 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। ट्रेन दिल्ली सफदरजंग स्टेशन से रवाना होकर करीब 2610 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इस दौरान ट्रेन राजस्थान के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों और ऐतिहासिक शहरों से होकर गुजरेगी। यात्रा में जयपुर, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, मारवाड़ जंक्शन, जैसलमेर और बीकानेर जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

ट्रेन के अंदर सैलून से स्पा तक

भारतीय रेलवे की 'भारत गौरव ट्रेन नीति' के तहत संचालित होने वाली इस विशेष ट्रेन का नंबर 00290 रखा गया है। ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें शाही सैलून, सुपर डीलक्स कोच, रेस्टोरेंट-कम-बार, किचन, स्पा और स्टाफ कोच शामिल रहेंगे। ट्रेन के 14 शाही कोचों के नाम राजस्थान की पूर्व रियासतों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बूंदी, बीकानेर, अलवर, जैसलमेर के नाम पर रखे गए हैं।

जैसलमेर में होगा सबसे लंबा ठहराव

छह दिन की इस यात्रा के दौरान पर्यटकों को राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर, किले, महल, वन्यजीव और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। ट्रेन का सबसे लंबा ठहराव जैसलमेर में होगा, जहां पर्यटक थार के रेगिस्तान और स्वर्णनगरी की खूबसूरती का आनंद ले सकेंगे।

पहली बार हो रहा ऐसा

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह पहली बार है जब भीषण गर्मी के बावजूद पैलेस ऑन व्हील्स को मई में चलाया जा रहा है। इसे भारतीय पर्यटन उद्योग के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो दर्शाता है कि राजस्थान की शाही पर्यटन विरासत का आकर्षण आज भी दुनिया भर के यात्रियों को अपनी ओर खींच रहा है।

राज्य स्तरीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह : विज्ञान, तकनीक और नवाचार ही विकास का माध्यम

नवाचारों के जरिए तकनीक में प्रदेश को ग्लोबल लीडर बनाएं युवा

प्रदर्शनी में नवाचारों का किया अवलोकन, प्रतिभागियों का किया उत्साहवर्धन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिसके मन में जिज्ञासा है, वही व्यक्ति मुश्किलों को पार कर अपने उद्देश्य को प्राप्त करता है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि युवा नवाचारों के जरिए राजस्थान को तकनीक में ग्लोबल लीडर बनाएं एवं भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि युवा माय भारत, आईस्टार्ट और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ उठाएं और सेवा का मिशन लेकर साथ चलें। युवा संकोच छोड़कर अपने सपनों को उड़ान दें, राज्य सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में स्टार्टअप्स, कौशल विकास, अनुसंधान और डिजिटल सेवाओं के माध्यम से मजबूत तंत्र तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने की ब्रह्मगुप्त पुरस्कार एवं इनोवेशन सेंटर की घोषणा

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री ब्रह्मगुप्त के नाम पर राजस्थान में ब्रह्मगुप्त पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की। यह पुरस्कार विज्ञान, गणित, नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी समृद्ध वैज्ञानिक विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उल्लेखनीय है कि ब्रह्मगुप्त का जन्म 7वीं शताब्दी में जालोर के भीनमाल में हुआ था। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए जयपुर के कोचिंग हब में इनोवेशन सेंटर स्थापित करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 11 मई का दिन इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। वर्ष 1998 में इसी दिन पोकरण में परमाणु परीक्षण कर भारत ने विश्व को यह संदेश दिया था कि हम विज्ञान, अनुसंधान और तकनीकी क्षमता में किसी से कम नहीं हैं। इस उपलब्धि में भारत र% अटल बिहारी वाजपेयी का अद्भुत साहस, दूरदृष्टि और भारत र% डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का वैज्ञानिक योगदान अतुलनीय रहा।

'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' हो रहा साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का नारा देते हुए कहा था कि 21वीं सदी का भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीक का निर्माता और निर्यातक बनेगा। कोरोना काल के दौरान भी वैज्ञानिकों एवं अनुसंधान की ताकत से ही पूरी दुनिया को वैक्सीन देकर विश्व में हमने भारत का डंका बजाया। वहीं, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में मिशन चंद्रयान, मेक इन इंडिया के तहत तेजस लड़ाकू विमान, अर्जुन टैंक, प्रचंड हेलिकॉप्टर बनाने के साथ ही आज देश एआई के क्षेत्र में सफल प्रयोग कर रहा है।

युवा शक्ति के जरिए तकनीकी प्रगति में नई पहचान बना रहा राजस्थान–

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में विज्ञान, तकनीक और नवाचार ही विकास का वास्तविक माध्यम है और राजस्थान अपनी युवा शक्ति के जरिए उद्यमिता एवं तकनीकी प्रगति में नई पहचान बना रहा है। इसी क्रम में हर व्यक्ति तक विज्ञान और तकनीक का लाभ पहुंचाने के लिए केंद्रीयकृत राज्य स्तरीय ड्रोन सेल स्थापित करने की पहल की जा रही है। जिससे एआई और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आपदा प्रबंधन, कृषि, शहरी नियोजन और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा एआई-एमएल पॉलिसी बनाई गई है, जिससे एआई और डिजिटल माध्यमों का प्रयोग जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ किया जा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए मॉडल स्कूलों एवं पीएम श्री विद्यालयों सहित 820 विज्ञान क्लब प्रारंभ किए जा रहे हैं, जिनसे अनुसंधान एवं प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, 500 से अधिक विद्यालयों में रोबोटिक्स लैब भी शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं होने से युवा का विश्वास मजबूत हुआ है। वहीं, निवेश के जरिए भी रोजगार के लाखों अवसर सृजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के साइंस क्लब्स से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े विद्यार्थियों के अलावा शिक्षकों एवं युवा उद्यमियों से संवाद किया। उन्होंने युवाओं को तकनीक और नवाचार के साथ राष्ट्रसेवा और जनसेवा के संकल्प की शपथ भी दिलाई। इससे पहले उन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थानों की ओर से किए गए नवाचारों का अवलोकन किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

माधव विश्वविद्यालय में नर्सरी प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में बीएससी एजी के विद्यार्थियों हेतु नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को सब्जी फसलों की नर्सरी तैयार करने की आधुनिक एवं वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के अधिष्ठाता डॉ. गीतम सिंह ने कहा कि नर्सरी तैयार करने से बीजों की अंकुरण क्षमता की जानकारी मिलती है तथा लगभग एक माह तक पौधों को सुरक्षित रखकर मुख्य फसल के समय की भी बचत की जा सकती है। इस अवसर पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के शाहरुख खान, कृष्णपाल, सुधा, संतोष पारगी, तुषार चौधरी, प्रीति पाटीदार, वंशिका पाटीदार, उमेश बिश्नोई, अभिलाषा स्वामी, विर् म कुमार, अंजू सैनी, समता हुड्डा, अरविंद जांगिड़, तनु सैनी, सुमन बिश्नोई, देव नागल, राहुल कुमार, मनीष, ओम प्रकाश, करण मीणा, ज्योति सैनी, चिंतन कुमार, विकास बेनीवाल, हर्ष सुखाड़िया, चंपाराम, महावीर कुमार, नवीन कुमावत, विकास इनानिया, श्रवणचंद मीणा, सचिन कुमार मीणा, ललित गरासिया, निर्मला कुमारी कटारा, योगेश कुमार एवं पुखराज सहित अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माधव विश्वविद्यालय में शोध की नई उपलब्धि, अपूर्वा वत्स को पीएचडी उपाधि प्रदान

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने शोध के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय की शोधार्थी अपूर्वा वत्स को "भारत में न्याय के उद्देश्य से त्वरित सुनवाई पर आलोचनात्मक समीक्षा" विषय पर किए गए उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया गया। यह शोध कार्य विधि संकाय के शोध पर्यवेक्षक डॉ. सुरेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। शोध की गुणवत्ता एवं निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए डॉ. सुप्रिया कंवर, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोध मूल्यांकन के दौरान विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. दिलीप कुमार उपाध्याय सहित संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विद्या शक्तावत, डॉ. संदीप गहलोत, डॉ. दुष्यंत कुमार, डॉ. सुरेंद्र मीणा, डॉ. मनोज यादव, मानवेंद्र राजपुरोहित एवं विनीता मीणा उपस्थित रहे। इस अवसर पर संकाय के शिक्षकों ने शोधार्थी को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय बल्कि विधि शिक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के शोध कार्य न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

बसों में सीट बेल्ट होगा अनिवार्य

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार ने बस यात्रियों की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि लंबी दूरी की बसों, लग्जरी कोच और वोल्वो जैसी बसों में सीट बेल्ट लगाना अब अनिवार्य होगा। यह नियम पूरे देश के साथ-साथ राजस्थान में भी सख्ती से लागू किया जाएगा। राजस्थान में हाल के दिनों में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुए बस हादसों ने इस नियम की जरूरत को उजागर किया है। अप्रैल 2026 में अलवर जिले के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार बस के ट्रक से टकराने की भीषण दुर्घटना में बस ड्राइवर समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हुए थे। हादसे में कई यात्रियों को सीट से उछलकर गंभीर चोटें आई थीं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें सीट बेल्ट की कमी को मुख्य वजह माना गया।

रामदेवरा में रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई

संवेदनशीलता के साथ होगा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जैसलमेर जिले के सुविख्यात लोक आस्था की धरा रामदेवरा में सोमवार देर रात आयोजित रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई कार्यक्रम जनसंवाद, संवेदनशील प्रशासन एवं जनसेवा का सशक्त उदाहरण बन गया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को गंभीरता एवं आत्मीयता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री खींवसर ने कहा कि बाबा रामदेव की पावन धरा पर आकर आमजन की समस्याओं को सीधे सुनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान एवं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रभावी अभियान चला रही है। ग्राम रथ अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है ताकि पात्र व्यक्ति सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ उठा सके। प्रभारी मंत्री ने विशेष रूप से मरूस्थलीय क्षेत्र में भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

बियानी इंटर कॉलेज प्रतियोगिता "राज्य 2026" का भव्य समापन

फैशन, म्यूज़िक और स्टार्टअप का दिखा शानदार मेल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित इंटर कॉलेज फेस्ट "राज्य 2026" का समापन रंगारंग प्रस्तुतियों और बॉलीवुड गीतों की मधुर गूंज के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि इनवोग नारी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ममता मोट, द कैन स्टोरी से पुलकित अग्रवाल, पूनीत शर्मा, वोग एडिशन की डायरेक्टर ईशा कोहली तथा फैशन डिजाइनर रूबी चंदोके रहे। आयोजक निदेशक डॉ. संजय बियानी, कॉलेज डीन एवं प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी एवं सीए साक्षी बियानी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

"शार्क टैंक" प्रतियोगिता में आशी सिंह, रक्षिता सेठी एवं मीनाक्षी सैनी की टीम ने अपने इनोवेटिव स्टार्टअप आइडिया और प्रभावशाली प्रस्तुति के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, उद्यमिता कौशल एवं आत्मविश्वास की सराहना की।

इसी के साथ फैशन शो "द गेम ऑफ पावर (सत्ता का खेल)" आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने शक्ति, योजना और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध डीजे ट्रोन की प्रस्तुति ने म्यूज़िक, डांस और मनोरंजन के साथ माहौल को जीवंत बना दिया, जहां डीजे नाइट उत्सव का मुख्य आकर्षण रही। इस आयोजन में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें 20 से अधिक कॉलेजों/यूनिवर्सिटी और 800 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी रही।

मेलोडिक मास्टरी (सोलो सिंगिंग) में प्रतिभागियों ने अपनी सुरीली आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें प्रथम स्थान पर बियानी कॉलेज रहा। वहीं फैशन शो में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और स्टाइल का शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें प्रथम स्थान बियानी कॉलेज ने प्राप्त किया। ओपन माइक एक्सोर्डियम में विद्यार्थियों ने कविता, स्टैंड-अप और अपने विचारों के माध्यम से प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसमें प्रथम स्थान बियानी कॉलेज के नाम रहा।

कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला!

सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पढ़ानी होगी 'राजस्थानी भाषा'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/जोधपुर। राजस्थान की साढ़े सात करोड़ जनता के सालों के इंतजार और संघर्ष के बाद, देश की सर्वोच्च अदालत Supreme Court ने राजस्थानी भाषा को उसका खोया हुआ सम्मान लौटाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में शामिल करने के लिए व्यापक नीति बनाए।

हम चुप नहीं बैठ सकते- सुप्रीम कोर्ट

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सरकार के 'ढुलमुल' रवैये पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि जब राजस्थानी भाषा को विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जा रहा है, तो स्कूली स्तर पर इसे लागू करने में देरी क्यों?

» **मूक दर्शक नहीं:** कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह संवैधानिक अधिकारों के हनन पर "मूक दर्शक" बनकर नहीं रह सकता।

» **संवैधानिक कर्तव्य :** बेंच ने कहा कि बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देना नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP 2020) का मूल मंत्र है, जिसे लागू करना राज्य का कर्तव्य है।

प्राइवेट और सरकारी स्कूलों के लिए क्या है आदेश?

» सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को एक समयबद्ध और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने को कहा है।

» **प्रारंभिक चरण:** शुरुआत में फाउंडेशनल और प्रिपरेटरी स्तर पर राजस्थानी को माध्यम या विषय के रूप में जोड़ा जाए।

» **उच्च स्तर:** धीरे-धीरे इसे उच्च कक्षाओं में भी अनिवार्य किया जाए।

» **सरकारी व निजी दोनों :** यह आदेश केवल सरकारी स्कूलों के लिए नहीं, बल्कि राजस्थान के हर प्राइवेट स्कूल के लिए भी बाध्यकारी होगा।

REET और शिक्षकों की भर्ती पर बड़ा असर

याचिकाकर्ताओं ने केवल स्कूली शिक्षा ही नहीं, बल्कि REET (Rajasthan Eligibility E&amination for Teacher) के सिलेबस में भी राजस्थानी भाषा को शामिल करने की मांग की थी। कोर्ट के इस रुख के बाद अब राजस्थान में शिक्षक बनने के लिए राजस्थानी भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य हो सकता है। इससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।

करोड़ों लोगों की भावनाएं, 8वीं अनुसूची का पेच

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में लगभग 4.36 करोड़ लोग राजस्थानी बोलते हैं। लंबे समय से राज्य सरकार यह तर्क देती रही थी कि राजस्थानी संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल नहीं है, इसलिए इसे स्कूलों में पढ़ाना मुश्किल है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस 'पुराने ढर्रे' वाली सोच को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि शैक्षणिक मान्यता के लिए 8वीं अनुसूची का इंतजार करना तर्कहीन है।

अनूठे ढंग से मनाया अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस

86 वर्षीय दमयंती कंवर सोलंकी "प्रथम साहस शिरोमणि माता सम्मान अवॉर्ड 2026" से सम्मानित

तिनाणम तारयाणम होती है मां-जैन

सोफिया स्कूल घाट गेट के सौ वें वर्ष स्थापना दिवस की दी बधाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। साहस फाउंडेशन ने मदर्स डे और सीबीएसई/आरबीएसई 2026 के लिए टॉपर्स अवार्ड का साइंस पार्क शास्त्री नगर ऑडिटोरियम में भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर अनूठे ढंग से अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में टॉपर बच्चे जिन्हें सम्मानित किया वह सम्मान लेने के लिए अपनी मां को भी सम्मान के लिए साथ लेकर आए। यह साहस का कार्य था जिसे माँ ने बच्चे को इस स्तर तक बड़ा करने में सिखाया। प्रत्येक बच्चे ने अपनी मां को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी।

साहस फाउंडेशन के अध्यक्ष डेंजिल नाजरेथ ने बताया कि इंटरनेशनल मदर्स डे पर इस बार "प्रथम साहस शिरोमणि माता सम्मान अवॉर्ड 2026" 86 वर्षीय कैंसर पेशेंट्स मोटीवेटर, वरिष्ठ समाजसेविका, योग शिक्षिका दमयंती कंवर सोलंकी को साहस फाउंडेशन प्रिंसीपल एडवाइजर वी बी जैन की सलाह पर दिया गया। अब यह पुरस्कार हर वर्ष सबसे ज्यादा उम्र की विलक्षण प्रतिभा की धनी मां को दिया जाएगा। प्रिंसीपल एडवाइजर वी बी जैन ने दमयंती कंवर सोलंकी के कैंसर पेशेंट्स मोटीवेशन, योग शिक्षा, समाजसेवा, परिवार में अपनी संतानों के दिए संस्कारों के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वी बी जैन ने अपनी मां के तिनाणम तारयाणम (स्वयं के भले के साथ सबका भला) कार्यों के बारे में भी उपस्थित जनसमुदाय को अवगत कराया। जिसे सुन ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सबसे बड़ा छात्र दल सोफिया स्कूल घाट गेट (सोफिया स्कूल अपने 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है) और स्प्रिंग फील्ड स्कूल से था।

दीप प्रज्वलन रमा दत्त, सबिता नायर, भीम सिंह, सिस्टर अरोकिया, संजय योगी, ओपी राजपुरोहित और सभागार में उपस्थित मदर्स द्वारा किया गया। रमा दत्त पैलेस स्कूल एजुकेटर, सबिता नायर प्रिंसिपल राव इंटरनेशनल स्कूल, सिस्टर अरोकिया, ब्रह्मा कुमारी लक्ष्मी बहन, ओपी राजपुरोहित, श्याम वर्मा, भीम सिंह और अन्य ने अपनी मां के बारे में अनुभव बताए। मुख्य अतिथि युगल बसंत जैन ने बैनर प्रमाण पत्र दे मंच संचालन किया। सुनीता सैनी, नीरू शर्मा मिसेज कर्नाटक, सेजल टिया डिडवानिया, रितु यादव पुत्री रवींद्र यादव, पैलेस स्कूल की जूही 79 स्वर्ण पदक विजेता आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सम्पादकीय

मोदी का विदेशी मुद्रा बचाने के लिए देश को एकजुट होने का आह्वान

होर्मुज स्ट्रेट संकट का वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। इस प्रकार यह मुद्रास्फीति, उत्पादन और वृद्धि पर भी असर डालेगा। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि संकट कब तक जारी रहेगा। यह बात सराहनीय है कि केंद्र सरकार इस खतरे को गंभीरता से ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया भाषण यह दिखाता है कि सरकार इस भू-राजनीतिक झटके के संभावित खतरों को समझती है।

खासतौर पर वह खतरा जो व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए है। जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं तो भारत विशेष रूप से अपने बाहरी खाते पर दबावों को लेकर संवेदनशील हो जाता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने के महत्त्व पर सावधानीपूर्वक जोर दिया। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए सात अपीलों के रूप में प्रस्तुत किया। इनमें विदेश यात्रा को कम से कम करना, खाना पकाने में तेल की मात्रा कम करना और पेट्रोल व डीजल की खपत घटाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना शामिल है। प्रधानमंत्री ने किसानों से कम उर्वरक उपयोग करने का आह्वान भी किया जो आयातित उत्पादों पर निर्भर हैं और पेट्रोकेमिकल आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा हैं। इसके अलावा, सोना न खरीदने की अपील भी की गई। ध्यान रहे देश में सोने की खरीद विदेशी मुद्रा पर स्थायी बोझ है।

सरकार की मंशा सराहनीय है। व्यवहार संबंधी जो भी निर्देश दिए गए हैं वे मूल्यवान हैं लेकिन नीतिगत विकल्प और भी अधिक मायने रखते हैं। यदि सरकार बदली हुई आपूर्ति स्थिति के जवाब में कीमतों को शीघ्रता से समायोजित करने की अनुमति देती है तो लोग स्वतः ही उसका पालन करेंगे। भारतीय राजनीति में कीमतों में बदलाव की इजाजत देने में एक किस्म की हिचकिचाहट है क्योंकि इससे कमजोर वर्गों पर प्रभाव पड़ने का डर है। यह स्वाभाविक चिंता है। परंतु किसी भी प्रकार की पीड़ा को लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से दूर किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, सरकार ने पहले ही इस उद्देश्य के लिए एक क्रेडिट गारंटी योजना तैयार की है। हालांकि ऐसी चिंताएं कीमतों का उपयोग न करने का कारण नहीं हैं। विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल की खपत को कम करने की संभावना तब ज्यादा है जब इन वस्तुओं की कीमतों को वैश्विक कीमतों के अनुरूप नियंत्रित करते हुए जवाबदेह तरीके से बढ़ाने की अनुमति दी जाए। यह तकनीकी रूप से वही प्रणाली है जो भारत में कुछ हद तक पहले से मौजूद है। लेकिन तथ्य यह है कि अभी भी कीमतों के समायोजन स्तर को लेकर राजनीतिक प्रतिबंध हैं। अब जबकि सरकार इसे स्पष्ट संकट मान रही है तो ऐसे संकट के समय में इन प्रतिबंधों को अलग रख देना चाहिए। विपक्षी दलों के कुछ लोग पहले से ही संकेत देने लगे हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई भी बदलाव राजनीतिक मुद्दा बन जाएगा। लेकिन इन बातों को नजरअंदाज करना चाहिए। यह मानने की पर्याप्त वजह है कि जनता कीमतों में वृद्धि के व्यापक वैश्विक संदर्भ को समझती है। सरकार को यह भी साफ बताना चाहिए कि न तो तेल विपणन कंपनियां और न ही बजट उपभोक्ताओं को अनिश्चित काल तक सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक तेल कंपनियों को हर महीने 30,000 करोड़ रुपये की अंडर रिकवरी का सामना करना पड़ रहा है।

नीट रद्द : परीक्षा से पहले परीक्षा, फिर परीक्षा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> **लाख टके का सवाल यही है कि यह सिलसिला कब थमेगा? नीट रद्दीकरण ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों का एक साल बर्बाद हो गया। शिक्षा माफिया को कुचलने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राजनीतिक दलों को आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर सुधार पर ध्यान देना चाहिए। न्यायपालिका और एनजीओ की भूमिका सराहनीय है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है।**

नौनिहालों का डॉक्टर बनने का सपना नीट परीक्षा रद्द होने के साथ बिखर गया। नौनिहाल डॉक्टर बनने के सपने के साथ दोबारा तैयारी करेंगे, कोचिंग करेंगे, लाखों रुपया तैयारी पर खर्च करेंगे। दुबारा परीक्षा होगी। क्या गारंटी है कि पेपर फिर आउट नहीं होगा। देशभर के लाखों छात्रों की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का ऐलान कर दिया। नीट परीक्षा में करीब 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। पेपर लीक की खबरों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया। राजस्थान से पेपर आउट होने की अफवाहें तेज हैं और विपक्ष ने इसे मोदी सरकार पर सीधा हमला बोल दिया। छात्र सड़कों पर उतर आए, आक्रोश की लहर दौड़ गई। सरकार ने आनन-फानन में नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे दिया है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है? शिक्षा माफिया की साजिशें कब थमेंगी? यह कोई नई घटना नहीं। पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ छात्रों का भविष्य दांव पर लगा दिया, बल्कि राजनीतिक घमासान भी खड़ा कर दिया। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या परीक्षा प्रणाली में सुधार की बातें बेईमानी साबित हो रही हैं? क्या सरकार भरोसा दिला सकती है कि दोबारा परीक्षा लीक नहीं होगी? बात नीट कांड की शुरुआत कैसे हुई, की जाए तो तीन मई को सुबह नौ बजे शुरू हुई परीक्षा के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर पेपर के सवाल वायरल हो गए। राजस्थान के सीकर और जयपुर इलाकों से लीक की पुष्टि हुई। तत्पश्चात, पुलिस अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है, जिनमें परीक्षा केंद्र के कुछ कर्मचारी और दलाल शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां साजिश के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर रही हैं। छात्रों का कहना है कि बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी पेपर पहले से बिक रहा था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने रद्दीकरण का फैसला लेते हुए नई तारीख जल्द घोषित करने का वादा किया है, लेकिन छात्रों का गुस्सा ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली, मुंबई और पटना में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परिवार वाले चिंतित हैं कि दोबारा परीक्षा का बोझ कैसे झेलें।

पिछले सालों के काले अध्याय याद आते हैं, जब परीक्षा प्रणाली पर सेंध लग चुकी थी। 2015 में वाइब्रेंट गुजरात के दौरान आयोजित जीएलओई परीक्षा का पेपर लीक हुआ। सैकड़ों उम्मीदवारों को फायदा पहुंचा। फिर 2021 में बिहार के बीपीएससी परीक्षा का मामला सामने आया, जहां पेपर सॉल्वर गिरोह ने हल्ला बोल दिया। 2022 में यूपीटीईटी का पेपर लीक हुआ, जिसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए, लेकिन दोषियों को सजा मिलने में देरी हुई। इसी साल फरवरी में रोहिणी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। बिहार में नीट पीजी का कांड तो सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर परीक्षा स्थगित की। महाराष्ट्र में एमपीएससी का पेपर लीक होने से हड़कंप मच गया। ये घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा माफिया का जाल कितना गहरा है। ये गिरोह परीक्षा केंद्रों के अंदरूनी लोगों से सेटिंग कर पेपर हासिल कर लेते हैं और अमीर छात्रों को बेच देते हैं। इन पेपर लीक मामलों पर राजनीति का खेल हमेशा चरम पर रहता है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी बताकर हमला बोलता है। इस बार नीट रद्दीकरण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राहुल गांधी ने संसद में बहस की मांग की।

आप के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में छात्रों का साथ देते हुए शिक्षा मंत्री पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा ने इसे राज्य सरकारों की साजिश बताया, खासकर राजस्थान और बिहार में। 2022 के यूपीटीईटी कांड में सपा ने योगी सरकार को घेरा था, जबकि भाजपा ने विपक्षी राज्यों को जिम्मेदार ठहराया। बिहार में नीट पीजी लीक पर आरजेडी और जदयू ने नीतीश कुमार सरकार पर तीर चलाए। हर बार चुनावी मौसम में ये मामले राजनीतिक हथियार बन जाते हैं। पार्टियां वोट बैंक के लिए छात्र आंदोलनों का फायदा उठाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान कोई नहीं देता। यह राजनीतिक नौटंकी छात्रों के दर्द को और बढ़ा देती है।

वैसे, पेपर लीक कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लंबा है, लेकिन नाकाफी। पुलिस अक्सर गिरफ्तारियां तो करती है, मगर सजा मिलना मुश्किल होता है। 2022 के यूपीटीईटी मामले में एसटीएफ ने 15 लोगों को पकड़ा, लेकिन अदालत में केस लंबा खिंच गया। बिहार में 2024 के बीपीएससी कांड में 20 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं, कई को जमानत मिल गई। राजस्थान पुलिस ने नीट मामले में अब तक आठ को हिरासत में लिया, लेकिन मास्टरमाइंड फरार हैं। कानून में सख्त प्रावधान हैं। पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एक्ट 2024 के तहत पेपर लीक पर दस साल की सजा और जुर्माना है। फिर भी अमल कमजोर है। सॉल्वर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए विशेष अदालतें बनाई गईं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। कई मामलों में अधिकारी ही शामिल पाए गए, जिससे जांच प्रभावित होती है। कार्रवाई दिखावटी रह जाती है। परीक्षा लीक मामले में न्यायपालिका ने कई बार सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी लीक पर केंद्र को फटकार लगाई और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया। यूपीटीईटी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लग सकता। 2023 में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा पर पटना हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच ने स्पष्ट कहा कि पेपर लीक पारदर्शिता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल सर्विलांस और सख्त सुरक्षा के निर्देश दिए। लेकिन कोर्ट के फैसले लागू करने में देरी होती है। न्यायपालिका ने कई बार सरकार को केंद्रीय एजेंसी बनाने का सुझाव दिया, ताकि राज्य स्तर पर भ्रष्टाचार रोका जा सके। कोर्ट छात्रों के हित में खड़ा दिखता है, लेकिन सिस्टम की कमजोरी उजागर करता रहता है। एनजीओ ने भी इस लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। राइट टू एजुकेशन फोरम और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन जैसे संगठन ने कई पिटीशन दाखिल कीं। 2022 में यूपीटीईटी पीड़ित छात्रों ने एनजीओ की मदद से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ट्रांसपरेंसी इन एजुकेशन सोसाइटी ने नीट कांड पर रिपोर्ट जारी कर मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इस्तेमाल हो।

सबको चाहिए मन का सुकून

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जागरूक जनता — विश्वसनीय हिन्दी अखबार — आखरआखर झरे उजियार

हर व्यक्ति को मन के सुकून की तलाश है। उसी को पाने के लिए वह अहर्निश प्रयास करता रहता है।सुकून यानी मन की शांति एवं संतुष्टि के लिए मुख्यतः दो उपाय हो सकते हैं। एक : स्वप्न मुक्त गहरी नींद।जब व्यक्ति निद्रा लोक में निर्विघ्न विचरण करता हो और दुनियावी हलचलों से अप्रभावित हो।

दूसरा : ध्यान की गहराई में उतरने के बाद व्यक्ति चिंता मुक्त हो जाय, निर्विचार हो जाय तब परम शांति का अनुभव करता है। ध्यान में गहरे उतर गए साधक को शांति के दुर्लभ पलों का एहसास होता है। योग की भाषा में इसे समाधि की अनुभूति कह सकते हैं।

प्रतिक्रमण का प्रयोग करते समय ध्यानी अपनी इधर उधर बिखरी चेतना को लौटाता है। जब मन अचंचल स्थिति को प्राप्त होता है, तब शांतिमय आनन्द की अनुभूति होती है।

ध्यान साधना के दौरान जब चित्तवृत्तियों का निरोध होता है, मनोदशा निर्मल हो जाती है तब साधक योगमय आध्यात्मिक ऊंचाई के दर्शन करता है। इसके विपरीत जब कभी मन चंचल होता है तो बहिर्मुखी होकर अशांति का अनुभव होने लगता है। यह बात हमें देर से समझ आती है कि तृष्णा का अंत नहीं है। महत्वाकांक्षा की असमाप्त नदी में बहते रहने से कोई कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। समझदारी इसी में है कि प्राप्त साधन सुविधाओं की सीमा में कदम कदम आगे बढ़ते हुए लक्ष्यों की पूर्ति की जाय।

सुकून हासिल करने के लिए सबसे अहम कदम होगाः अनपेक्षित चित्त। किसी से कोई अपेक्षा नहीं,कोई उम्मीद नहीं करनी। यदि हम किसी से उम्मीद कर लें और वो उम्मीद पर खरा नहीं उतर पाए तो मन का कष्ट शुरू हो जाएगा। मैंने उसके लिए इतना किया, वो उसे भूल गया। ये सब सोच कर हम दुखी होते रहेंगे। यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए।।। 'इच्छा मात्रम अविद्या'।

दूसरा कदम है : अहंकारशून्य चित्त।जब तक 'मैं विशेष हूँ' का भाव रहेगा समाज आपको निर्विशेष सिद्ध करने की कोशिश करेगा। जब आप स्वयं की साधारणता को मेहसूस करेंगे, दुनिया अपने आप आपको असाधारण समझने लगेगी। ज्यों ज्यों अहंकार शून्यता आएगी, जीवन स्वतः गुणों से समृद्ध होने लगेगा। उम्दा इंसान के जर्फ़ (गहरेपन) का जिक्र करते हुए किसी शायर ने खूब कहा है-

कह रहा दरिया से समन्दर का आगोश,
जिसका जितना जर्फ़ है वो उतना खामोश है।

FDI का स्रोत नहीं बल्कि प्राथमिकताएं तय करना जरूरी

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> **चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे के बीच भारत ने FDI नियमों में ढील दी है। हालांकि, असली सफलता निवेश के स्रोत में नहीं, बल्कि तकनीक को आत्मसात करने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में है**

भारत ने 10 मार्च को अपनी जमीनी सीमा से सटे देशों से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़े नियमों में ढील दे दी। 'प्रेस नोट 3' के नाम से ये दिशानिर्देश अप्रैल 2020 में लागू हुए थे जिनका उद्देश्य कोविड महामारी के दौरान मौके का फायदा उठाने वाले यानी अवसरवादी अधिग्रहणों को रोकना था। हालांकि, इन नियमों के निशाने पर मुख्य रूप से चीन था। अब प्रेस नोट 3 में ढील के तहत10फीसदी तक की गैर-नियंत्रण हिस्सेदारी रखने वाले निवेशकों को स्वचालित मार्ग (ऑटोमेटिक रूट) यानी सरकार से पूर्व अनुमति के बिना निवेश करने की अनुमति दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से व्यापार करने में आसानी होगी, निवेश में इजाफा होगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण मजबूत होगा। हालांकि, यह एक कोरी कल्पना ही कही जा सकती है। चीन एफडीआई के लिए भारत को एक मजबूत एवं आकर्षक निवेश के स्थान के रूप में नहीं देखता है। हालांकि, चीन भारत को अपने उत्पादों के लिए एक विशाल निर्यात बाजार जरूर समझता है।

भारत में चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने 8 अप्रैल को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा,'यह जानकर खुशी हुई कि चीन वित्त वर्ष 2026 में लगातार 11वें महीने भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहा।' यह खबर चीन के लिए तो अच्छी थी मगर भारत के लिए नहीं। दोनों देशों के बीच 151.1 अरब डॉलर के व्यापार में 131.63 अरब डॉलर का निर्यात चीन से भारत को हुआ और भारत से आयात मात्र 19.47 अरब डॉलर का था। यह एकतरफा व्यापार है। चीन भारत का 'सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार' बनने के बावजूद भारतीय बाजारों को अपने माल से पाट रहा है। व्यापार और निवेश से जुड़ी ये दोनों आंकड़े हमें बताते हैं कि चीन-भारत के आर्थिक संबंध कितने असंतुलित हैं। भारत अपने एफडीआई नियमों में मामूली बदलाव करता है तो चीन अपना निर्यात दोगुना कर देता है। भारत को हर साल चीन से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं एवं विद्युत उपकरण (40-50 अरब डॉलर), मशीनरी (27 अरब डॉलर), कार्बनिक रसायन (12-13 अरब डॉलर), प्लास्टिक, इस्पात, चिकित्सा उपकरण आदि आयात करने पड़ते हैं। ये ऐसे महत्त्वपूर्ण उत्पाद हैं जिनके बिना भारतीय अर्थव्यवस्था चल ही नहीं सकती। कुछ उत्पादों के लिए वैकल्पिक स्रोत मौजूद हैं मगर उनकी कीमत बहुत अधिक है। इसके अलावा, चीन अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता ला रहा है इसलिए भले ही सीधे तौर पर न हो, मगर चीन में बने सामान दक्षिण-पूर्व एशियाई और अन्य विनिर्माण केंद्रों के माध्यम से भारत तक पहुंच जाते हैं।

चीन 3.0 से 3.5 लाख करोड़ डॉलर के संचयी विदेशी निवेश भंडार और 160-190 अरब डॉलर के सालाना निवेश के साथ हर क्षेत्र में एफडीआई का तगड़ा खिलाड़ी है। चीन से होने वाले कुल निवेश का लगभग 70 फीसदी (लगभग 2.0-2.2 लाख करोड़ डॉलर) हिस्सा एशिया ही खींच लेता है (मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया में जहां चीन की कंपनियों ने संपूर्ण विनिर्माण प्रणालियों को स्थापित किया है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक, वस्त्र, इलेक्ट्रिक वाहन और मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्रों में)। लैटिन अमेरिका दूसरा प्रमुख क्षेत्र है जहां चीन भारी पैमाने पर निवेश (अनुमानित संचयी चीनी निवेश 300-500 अरब डॉलर) करता है। यूरोप का हिस्सा भले ही छोटा है मगर वहां भी चीन से 100 से 200 अरब डॉलर निवेश किया गया है। अफ्रीका में चीन से 50 से 100 अरब डॉलर निवेश होता है मगर इसकी रणनीतिक स्थिति महत्त्वपूर्ण है। पश्चिम एशिया ने ऊर्जा, पेट्रो-रसायन और तेजी से बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में अरबों डॉलर का सालाना निवेश आकर्षित किया है।

भारत में चीन से एफडीआई वर्ष 2000 से अब तक मात्र 2.51 अरब डॉलर है जो भारत के कुल इक्विटी निवेश का मात्र 0.32 फीसदी है। अगर इसमें वेंचर कैपिटल निवेश और तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले अप्रत्यक्ष निवेश भी शामिल कर लिया जाए तो भी कुल राशि केवल 15-20 अरब डॉलर तक ही पहुंचती है। इसका कारण यह है कि भारत यह तय नहीं कर पा रहा है कि कि उसे चीन से प्रत्यक्ष एफडीआई चाहिए या नहीं। भारत को इस बात का डर है कि इससे उसकी संप्रभुता को खतरा हो सकता है और आत्मनिर्भरता का दावा कमजोर पड़ सकता है। चीन का बाहरी निवेश अक्सर औद्योगिक और भू-राजनीतिक उद्देश्यों से जुड़ा होता है। महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्भरता (चाहे बैटरी, दूरसंचार उपकरण या सक्रिय दवा सामग्री हो) विशेष रूप से भू-राजनीतिक तनाव के समय में असुरक्षा का कारण बन सकती है। मगर सावधानी, झिझक और अप्रासंगिक नीतिगत बदलाव कोई नीतिगत विकल्प नहीं हैं। वास्तविक विकल्प यह है कि चीन से ही सीखा जाए कि एफडीआई कैसे संभाला जाता है। 1990 के दशक से शुरू होकर 2000 के दशक तक चीन ने एफडीआई एवं प्रौद्योगिकी आकर्षित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए, खासकर जापान, अमेरिका और यूरोप से। चीन में इस अवधि को 'सुधार और खुलापन' का दौर कहा जाता है। चीन विदेशी पूंजी को खतरा नहीं मानता था बल्कि इसे बदलाव लाने का एक जरिया मानता था बशर्ते राज्य रणनीतिक नियंत्रण बनाए रखे। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अक्सर संयुक्त उद्यम बनाने, उत्पादन का स्थानीयकरण करने और कई मामलों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करने के लिए कहा जाता था।

ओपिनियन

ससुराल से दूरी और पति पर पकड़ पूरी...

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संतोष मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अाादी कोई सत्ता-संघर्ष नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों के बीच भरोसे, सम्मान और जिम्मेदारी का रिश्ता है। लेकिन हमारे समाज में कई बार विवाह को साझेदारी के बजाय नियंत्रण का खेल बना दिया जाता है, जहाँ एक पक्ष अपनी परंपराएँ थोपना चाहता है और दूसरा अपनी स्वतंत्रता बचाने के लिए कठोर रुख अपना लेता है। यही टकराव आगे चलकर झगड़े, दूरी और अविश्वास में बदल जाता है, और फिर लोग पूरे रिश्ते को ही दोष देने लगते हैं। असल समस्या रिश्ते में नहीं, बल्कि रिश्ते को समझने की सोच में होती है।

आज जो वैवाहिक तनाव दिखाई देता है, उसे केवल महिलाओं की सोच कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह अधूरा विश्लेषण होगा। भारतीय परिवारों में लंबे समय तक पुरुष को निर्णयकर्ता और महिला को समर्पित भूमिका में रखा गया। इस ढाँचे में बहू से अपेक्षा की गई कि वह सब कुछ स्वीकार करे, चुप रहे, ढले और परिवार की परंपराओं को बिना सवाल के निभाए। दूसरी ओर, नई पीढ़ी की महिलाएँ शिक्षा, नौकरी, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के कारण इस भूमिका को चुनौती देने लगी हैं। वे अब सिर्फ "बहू" बनकर नहीं रहना चाहतीं, वे व्यक्ति के रूप में सम्मान पाना चाहती हैं।

यही वह बिंदु है जहाँ पीढ़ियों का अंतर साफ दिखाई देता है। पहले विवाह का अर्थ था पति के घर में जाकर उसी व्यवस्था को अपनाना, चाहे वह व्यवस्था न्यायपूर्ण हो या नहीं। आज की स्त्री यह मानती है कि शादी के बाद भी उसका अपना व्यक्तित्व, उसका परिवार, उसके विचार और उसकी सीमाएँ बनी रहनी चाहिए। यह मांग अपने आप में गलत नहीं है। हर इंसान को अपने सम्मान और अपनी पहचान के साथ जीने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब इस अधिकार को अड़ियलपन या विद्रोह समझ लिया जाता है।

दूसरी तरफ, कई पुरुष भी पुराने ढर्रे में फँसे रहते हैं। वे चाहते हैं कि पत्नी उनके परिवार में पूरी तरह घुल जाए, उनकी माता-पिता की हर बात माने, घर की हर परंपरा निभाए और किसी भी स्थिति में सवाल न उठाए। वे यह भूल जाते हैं कि शादी दो व्यक्तियों का मिलन है, न कि एक व्यक्ति का दूसरे पर अधिकार। जब पुरुष यह सोच रखता है कि पत्नी को बस समायोजन करना है, और उसे बदलने का अधिकार सिर्फ उसी के पास है, तब रिश्ते में असंतुलन पैदा होता है। यह असंतुलन धीरे-धीरे शंका, कटुता और दूरी में बदल जाता है।

ससुराल का रिश्ता तब तक मधुर रहता है जब तक उसमें सम्मान हो। सम्मान का अर्थ केवल औपचारिक आदर नहीं, बल्कि भावनात्मक स्वीकार्यता है। बहू से यह उम्मीद करना कि वह अपने माता-पिता, अपने संस्कार, अपने विचार और अपनी प्राथमिकताएँ छोड़ दे, वास्तव में एक प्रकार का भावनात्मक दबाव है। विवाह के बाद नया घर मिलना अलग बात है, लेकिन पुराने रिश्तों को काट देना अलग बात है। एक स्त्री एक ही समय में बेटी भी रह सकती है, पत्नी भी रह सकती है और बहू भी। समस्या तब होती है जब उससे केवल बहू बनकर रहने की माँग की जाती है, और बाकी पहचानों को महत्व नहीं दिया जाता।

इसी तरह यह भी सच है कि कुछ मामलों में पत्नी भी रिश्ते को साझेदारी की बजाय नियंत्रण की लड़ाई बना देती है। वह पति को प्रेम, समझ और संवाद से नहीं, बल्कि दबाव, शिकायत और आरोप के माध्यम से चलाना चाहती है। ऐसा व्यवहार भी रिश्ते को कमजोर करता है। विवाह में यदि एक पक्ष हर बात पर हावी होने की कोशिश करे, तो दूसरा या तो टूटता है या प्रतिरोध में कठोर हो जाता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि गलती केवल पुरुषों की है या केवल महिलाओं की। समस्या उस मानसिकता की है जो विवाह को सहयोग की जगह शक्ति-संतुलन की लड़ाई बना देती है। असल में, भारतीय समाज में विवाह पर कई परतें एक साथ काम करती हैं। प्रेम, परंपरा, जाति, परिवार, संपत्ति, प्रतिष्ठा और सामाजिक दबाव, सब मिलकर शादी को प्रभावित करते हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह बिना विरोध किए सब कुछ स्वीकार कर ले, अवास्तविक है। समाज बदल रहा है, शिक्षा बढ़ी है, आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ी है, और सूचना के साधन भी बढ़े हैं। अब लोग पुराने निर्णयों को बिना सवाल किए नहीं मानते। यही कारण है कि विवाह के भीतर संवाद की ज़रूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि संवाद की जगह अक्सर आरोप, शिकायत और भावनात्मक दूरी ले लेती है।

कई घरों में समस्या पति- पत्नी के बीच कम और परिवार की हस्तक्षेपकारी भूमिका के कारण अधिक बढ़ती है। सास-ससुर, भाई-बहन, रिश्तेदार और समाज, सब मिलकर दंपति के निजी जीवन में राय देने लगते हैं। हर छोटी बात पर सलाह, तुलना और दखल रिश्ते को खोखला कर देती है। जब पति अपनी पत्नी के पक्ष में खड़ा नहीं होता, तब पत्नी को लगता है कि शादी के बाद उसका अपना कोई सहारा नहीं बचा। और जब पति को लगता है कि पत्नी उसके घर में आई है, इसलिए उसे पूरी तरह झुकना चाहिए, तब वह संवेदनशीलता खो देता है। ऐसे में दोनों ओर से दूरी बढ़ती है। रिश्ते में प्रेम कम और रणनीति अधिक दिखने लगती है।

यह भी समझना होगा कि स्वतंत्रता और स्वच्छंदता एक ही चीज़ नहीं हैं। किसी स्त्री का अपने सम्मान के लिए बोलना, अपने निर्णय लेना और अपने आत्मसम्मान की रक्षा करना स्वच्छंदता नहीं है। लेकिन यदि वह हर बात में टकराव को ही समाधान समझने लगे, तो रिश्ते में शांति नहीं रह सकती। इसी तरह पुरुष का परिवार के प्रति जिम्मेदार होना जरूरी है, लेकिन जिम्मेदारी के नाम पर प%ी पर एकतरफा शासन करना न्याय नहीं है। पति-प%ी के संबंध में मर्यादा, संवेदना और सम्मान का संतुलन होना चाहिए। जब तक यह संतुलन नहीं होगा, तब तक शादी में तनाव बना रहेगा।

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/03/2024

सूर्योदय : 05:44 **सूर्यास्त :** 19:02 **चन्द्रोदय :** 02:53 **चन्द्रास्त :** 15:27 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम संवत् :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** ज्येष्ठ **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** मीन **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** एकादशी, 13:24 तक **वार :** बुधवार **कलियुग :** 5127 वर्ष **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 24:04 तक
योग : विष्कंभ, 20:49 तक
प्रथम करण : बालवा, 13:24 तक
द्वितीय करण : कौवाला, 24:26 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:08 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:29 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:33 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:02 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:04 पी एम से
अमृत काल	07:41 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:56 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

चन्द्रवास : उत्तर

कुंभ चक्रः तल, कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:43 - 07:23	उद्वेग : 19:01 - 20:21
अमृत	: 07:23 - 09:03	शुभ : 20:21 - 21:41
काल काल वेला	: 09:03 - 10:42	अमृत : 21:41 - 23:01
शुभ	: 10:42 - 12:22	चर : 23:01 - 00:22
रोग वार वेला	: 12:22 - 14:02	रोग : 00:22 - 01:42
उद्वेग	: 14:02 - 15:41	काल : 01:42 - 03:02
चर	: 15:41 - 17:21	लाभ : 03:02 - 04:22
लाभ	: 17:21 - 19:01	उद्वेग : 04:22 - 05:43

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज एकादशी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, कृष्ण, एकादशी, 2083 बुधवार, 13 मई - 19 मई, 2026

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ (ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,या,यी,यू)
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन (क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह)
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे)
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क (हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर (भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,)
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ (गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा)
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन (दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

GRAM-2026 बनेगा कृषि नवाचार और वैश्विक निवेश का सबसे बड़ा मंच

1 लाख से अधिक किसानों की भागीदारी, तकनीक आधारित खेती को मिलेगा नया आयाम

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित होने जा रहा ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM)-2026 प्रदेश में आधुनिक, तकनीक आधारित और बाजार उन्मुख कृषि व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में GRAM-2026 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में सभी संबंधित कमेटियों एवं FICCI अधिकारियों ने भाग लिया तथा विभिन्न समितियों के प्रभारियों द्वारा पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से तैयारियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजस्थान की कृषि क्षमता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता, समन्वय और समयबद्धता के साथ करें, ताकि आयोजन में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, तकनीकी सत्रों, एग्रीटेक प्रदर्शनी, किसान सहभागिता, आवागमन, आवास एवं अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं पर गहन चर्चा की गई। साथ ही स्टार्टअप्स, एग्रीटेक कंपनियों, कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर कृषि को लाभकारी, टिकाऊ एवं नवाचार आधारित बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। GRAM-2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी उन्नयन और बाजार से सीधे जुड़ाव का सशक्त मंच बनेगा।

ब्राह्मण समाज ने किया पाठक का भव्य सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्राह्मण समाज द्वारा पाठक निवास पर ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष पंडित अंबिका प्रकाश पाठक का जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी के नेतृत्व में भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल, साफा, माला, दुपट्टा एवं भगवान परशुराम जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने पक्षियों के लिए परिंदे लगाए तथा गायों को चारा खिलाकर पाठक का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया। इस अवसर पर विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शर्मा, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, काशीनाथ दीक्षित, नगेंद्र वशिष्ठ, अरुण पांडे, नरेंद्र सिंह सोलंकी, नमीता अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मिस फ्लोरेन्स नाइटिंगेल के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर नर्सेज़ ने किया प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान नर्सज एसोसिएशन के कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष मनोज दुब्बी ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम और जयपुर जिला अध्यक्ष प्रदीप निम्रोट के नेतृत्व में राजस्थान नर्सिंग काउंसलिंग में मिश फ्लोरेंस नाइटेंगल की प्रतिमा को माला पहनाकर मोमबब्बती जलाकर पुष्प अर्पित किए और प्रदेश में नर्सिंग के लिए अलग से नर्सिंग निदेशालय की मांग की।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन ने मनाया मातृत्व दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन जयपुर जिला इकाई के तत्वाधान में यहां मातृत्व दिवस उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माँ के रिश्ते पर सभी महिलाओं ने विचार व्यक्त किये, माँ की व्यख्या पर सभी भाव विहोर हो गए। कार्यक्रम मे फन गेम्स, रेम्प वॉक, प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन के संगठन की मजबूती पर चर्चा हुई एवं आगामी सत्र मे समाज सुधार एवं रचनात्मक कार्यो के आयोजन के लिये कई निर्णय लिए गए। कार्यक्रम का संचालन वसुंधरा मित्तल, नमिता अग्रवाल, अलका अग्रवाल, ऋचा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम मे प्रियंका गोयल, उषा बैराठी,किरण अग्रवाल, विमला अग्रवाल,कविता मित्तल, राधा जैन, पूनम गुप्ता, उर्मिला बंसल, मधु अग्रवाल, हेमलता जैन, कमलेश गुप्ता,संगीता अग्रवाल, किरण अग्रवाल, मंजू गर्ग, ज्योति अग्रवाल,ममता अग्रवाल मे सहभागिता की।

अभिभावकों को दरकिनार करना लोकतांत्रिक मूल्यों और पारदर्शिता के विपरीत-बिट्टू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में संयुक्त अभिभावक संघ ने जयपुर जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार को कोचिंग संस्थानों के संबंध में बुलाई गई बैठक को एकतरफा और अभिभावक विरोधी करार देते हुए कहा है कि अभिभावकों को दरकिनार कर केवल कोचिंग संचालकों के साथ बैठक करना लोकतांत्रिक मूल्यों और पारदर्शिता के विपरीत है। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने आरोप लगाते हुए कहा कि बैठक में केवल कोचिंग संचालकों और प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है जबकि लाखों रुपये फीस देने वाले अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों को जानबूझकर दूर रखा गया है।

शिल्प सृजन ने किया लोगों को स्व-जनगणना के लिए प्रेरित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिल्प सृजन संस्था द्वारा मुरलीपुरा क्षेत्र में स्व-जनगणना एवं जनगणना के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को सही एवं पूर्ण जानकारी देकर जनगणना में सहयोग करने का संदेश दिया गया। संस्था के स्वयंसेवकों ने नारों और जनसंपर्क के जरिए लोगों को जनगणना के महत्व एवं देश के विकास में उसकी भूमिका के बारे में जागरूक किया। जनगणना-2027 कार्यक्रम के अंतर्गत पवन शर्मा,उपायुक्तद्य मुरलीपुरा जोन के नेतृत्व मैं स्व-जनगणना के लिए आज शिल्प सृजन संस्था के सहयोग के साथ वार्ड नंबर 6 मुरलीपुरा, जयपुर मंदिर मोड़ विद्याधर नगर से मुरलीपुरा परिक्षेत्र के सुपरवाइजर सय्यद असगर अली, फिल्ड ट्रेनर जयराम और सुपरवाइजर सर्किल 23 के प्रगणको के साथ समस्त वार्ड 6 ब्लॉक (EB) मैं आमजन को स्व-जनगणना हेतु प्रचार प्रसार के माध्यम से प्रेरित किया गया। क्षेत्रवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर अभियान का समर्थन किया।

ग्राम रथ अभियान : रात्रि चौपाल में सुनी समस्याएं

सरकार पहुंचा रही योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक-पटेल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कोटपूतली-बहरोड़ जिले के विराटनगर क्षेत्र के ग्राम रामपुरा खुर्द पहुंचकर राज्य सरकार द्वारा संचालित ग्राम रथ अभियान का अवलोकन किया तथा आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर मंत्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राम रथ अभियान का उद्देश्य गांव-गांव जाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना, पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ना तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। संसदीय कार्य मंत्री ने ग्राम रथ अभियान के तहत संचालित एलईडी वैन, सूचना सामग्री एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सहायता एवं जानकारी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का प्रचार-प्रसार केवल औपचारिकता न होकर जनहित का माध्यम बने तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए।

एम्प्रेस क्लब ने मनाया मदर्स डे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एम्प्रेस क्लब द्वारा यहां मदर्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूनम उपाध्याय एवं डॉ. स्वाति नायक ने महिलाओं के स्वास्थ्य विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इंपैक्ट फाउंडेशन के बच्चों ने फैशन वॉक प्रस्तुत की, जिसके लिए एम्प्रेस क्लब द्वारा कपड़ों का प्रायोजन किया गया। बच्चों को अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में दीपम, दीपिका जोशी, अल्का एवं मेघा ने बच्चों का मेकअप कर उन्हें फैशन वॉक के लिए तैयार किया, जिसकी सभी ने सराहना की। महिलाओं एवं बच्चों ने गीत, कविता और अपनी माताओं के लिए भावपूर्ण पत्र लिखकर मातृत्व का सम्मान किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि मनोज मुद्गल एवं श्वेता मेहता मोदी उपस्थित रहे। एम्प्रेस क्लब की संस्थापक खुशबू शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्रीमद् भागवत गीता में 600 महिलाएं हुई शामिल

गणमान्य एवं प्रबुद्धजनों ने भी कराई उपस्थिति दर्ज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज के वी.के.आई, 6 नंबर रोड स्थित पीस पैलेस सेवाकेंद्र पर 4 मई से चल रहा विधिवत श्रीमद् भागवत गीता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 600 महिलाओं ने भाग लिया। स्वयं सेवा संघ एवं सेवा भारती के प्रचारक मूलचंद सोनी, राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु शमाी, राज्य कर्मचारी महासंघ प्रदेश अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता संतोष विजय, राष्ट्रीय व्यापारिक कल्याण बोर्ड के प्रदेश प्रभारी एवं जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, अजमेर से ब्रह्माकुमारी रूपा बहन, काजल बहन, चूरू से सुमन दीदी पहुंचे। मध्य प्रदेश से पधारे भारती दीदी ने आसुरी और दैवी वृत्ति के लक्षणों को स्पष्ट करते हुए काम, क्रोध, लोभ, मोह अहंकार, शराब, सिगरेट, गुटका आदि नशे जैसी बुराइयों को यज्ञ में सभी से स्वाहा कराया और इन बुराइयों से दूर रहने की प्रतिज्ञा भी कराई। सेवाकेंद्र संचालिका व कार्यक्रम आयोजक हेमा दीदी ने बताया कि यहां प्रतिदिन गीता ज्ञान शिविर एवं राज योग मेडिटेशन करने कोई भी आ सकते हैं जो कि निःशुल्क है। अंत में ब्रह्माकुमारी कविता बहन, मीना बहन यहां के अन्य सदस्यों ने सभी को ब्रह्मा भोजन स्वीकार कराया।

प्राची समग्र नेशनल आइकन अवार्ड से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। समग्र विकास संस्थान की ओर से आयोजित 'समग्र नेशनल आइकन अवार्ड 2026 सीजन 4' में टैरो कार्ड रीडर प्राची शर्मा को सम्मानित किया गया। यह समारोह जवाहर कला केंद्र में आयोजित हुआ, जिसमें देशभर की 51 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि संस्थान के किए जा रहे सामाजिक सरोकारों के कार्य प्रेरणादायक हैं और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मदर्स डे सेलिब्रेशन और रैंप वॉक ने भी दर्शकों का मन मोह लिया।

दिलखुश तराना म्यूजिकल ग्रुप का भव्य कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शास्त्री नगर स्थित साइंस पार्क ऑडिटोरियम संगीत की महफिल में रंगा रहा। दिलखुश (तराना) म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आयोजित संगीत से सजी 'दिल की धुन' कार्यक्रम में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के फाउंडर एवं डायरेक्टर श्री विजय कुमार सोनी ने बताया कि इस एक दिवसीय संगीत महोत्सव में लगभग 40 गायक-कलाकारों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सपना पाठक जी के नेतृत्व में कार्यक्रम का समापन हुआ, जहां कलाकारों ने अपनी मधुर आवाजों से पूरे ऑडिटोरियम को संगीत की अमृत वर्षा से भर दिया।

प्रमुख प्रस्तुतियां देने वालों में आनंद शर्मा, प्रतिभा, ज्योतिष आचार्य विष्णु सोनी, युगल यादव सहित अन्य प्रतिभाशाली गायकों ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी को मुग्ध कर दिया। गीत-संगीत की विविधता और कलाकारों के उत्साह ने पूरे कार्यक्रम को यादगार बना दिया। दिलखुश तराना म्यूजिकल ग्रुप जयपुर के इस प्रयास की सराहना करते हुए श्रोता और अतिथिगणों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम स्थानीय लोगों को मंच प्रदान करते हैं साथ ही संगीत की परंपरा को जीवंत रखते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में महालेखा नियंत्रक के साथ राज्य के वित्तीय प्रबंधन तंत्र के संबंध में बैठक आयोजित

एआई तकनीक से प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन को मिलेगा नया आयाम- मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के वित्तीय प्रबंधन तंत्र को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग की महालेखा नियंत्रक टीसीए कल्याणी ने PFMS-IFMS सहित विभिन्न वित्तीय प्रबंधन विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (PFMS) को और अधिक मजबूत एवं व्यवस्थित बनाने के लिए समय-समय पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की जाए। इन कार्यशालाओं के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षण प्रदान कर वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को अधिक सुचारु बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में केन्द्र सरकार के सहयोग से जिला कोषाधिकारियों के लिए भी कार्यशालाएं आयोजित कर प्रशिक्षित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में SNA SPARSH (समयोजित प्रणाली एकीकरण शीघ्र हस्तान्तरण) केअंतर्गत वर्तमान में 70 केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं (CSS Schemes) तथा 160 राज्य स्तरीय योजनाएं शामिल की जा चुकी हैं। वित्तीय निगरानी एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को और आधुनिक बनाने के लिए राज्य में एआई आधारित डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा, जिससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग और बेहतर निर्णय प्रक्रिया संभव हो सकेगी।

मुख्यसचिव ने कहा कि राजस्थान में उच्च शिक्षा के विकास के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं प्रशासनिक वातावरण है। यहां प्रत्येक क्षेत्र में शिक्षण प्रशिक्षण के लिए उच्च स्तर के शैक्षणिक संस्थान संचालित हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर में नई आईसीएएस (इंडियन सिविल अकाउण्ट्स सर्विस) एकेडमी स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि का चयन किया जाएगा।

महालेखानियंत्रक टीसीए कल्याणी ने कहा कि एआई आधारित डैशबोर्ड राज्य सरकार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इसके लिए नॉलेज पार्टनर की सहायता लीजाएगी तथा राज्य सरकार से उन प्रमुख क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त की जाएगी,जिनकी प्रभावी निगरानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम केवल एक आईटीप्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि यह देश की महत्वपूर्ण वित्तीय अवसंरचना के रूप में कार्य कर रहा है। यह केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय लेन-देन, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजनाओं, वेतन, पेंशनतथा सब्सिडी वितरण जैसी व्यवस्थाओं को पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से संचालित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश की जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा PFMS प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रवाहित होता है। पिछले वित्तीय वर्ष में इस प्रणाली के जरिए 327 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन किए गए। इसके साथ 1100 से अधिक DBT योजनाएं तथा 35 लाख से अधिक इंप्लीमेंटिंग एजेंसियां जुड़ी हुई हैं।

कल्याणी ने बताया कि आने वाले दशक की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए PFMS को अधिक आधुनिक, सरल, लचीलाऔर उपयोगकर्ता-केंद्रित बनाया जाना आवश्यक है। इसके तहत आसान यूजर इंटरफेस,मोबाइलएक्सेस, सरल वर्कफ्लो और बहुभाषीय सुविधाओं के विकास के साथ एआई आधारित तकनीकका उपयोग किया जाएगा, ताकि उपयोगकर्ता को सिस्टम संचालन के लिएअत्यधिक तकनीकी ज्ञान या जटिल प्रक्रियाओं पर निर्भर न रहना पड़े।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया एवं केंद्र सरकार के वित्त विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ग्राम रथ अभियान में सामने आई किसान की सफलता की कहानी

सरकारी योजना बनी किसानों का सहारा, सोहन की बदली खेती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान ग्लोबल एग्रीटेक मीट-2026 व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु संचालित ग्राम रथ अभियान का संचालन राज्य की ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में किया जा रहा है। किशनगढ़ रेनवाल तहसील की ग्राम पंचायत हरसोली में सोमवार को आयोजित संध्या चौपाल में ग्राम पंचायत हरसोली के ग्राम किशनपुरा निवासी किसान श्री सोहन लाल पुत्र श्री रामदेव ने योजना से प्राप्त लाभ साझा करते हुए बताया कि वे एवं उनके परिवार के सदस्य कई वर्षों से खेती का कार्य कर रहे हैं। पूर्व में किराए पर कृषि यंत्र समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण फसल की बुवाई एवं कटाई में देरी होती थी, जिससे चारा एवं अन्य फसलों में नुकसान उठाना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उन्हें कृषि यंत्र अनुदान योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने कृषि विभाग में आवेदन किया तथा कृषि यंत्र खरीदने पर विभाग द्वारा उन्हें अनुदान राशि स्वीकृत की गई।

किसान सोहन लाल ने बताया कि अब कृषि यंत्र उपलब्ध होने से वे समय पर फसल की बुवाई एवं कटाई कर पा रहे हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है और आमदनी भी बढ़ी है। उन्होंने कृषि विभाग एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कृषि यंत्र अनुदान योजना का लाभ मिलने पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए जिले के अन्य किसानों को भी उक्त योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया है। इस मौके पर तहसीलदार कोमल यादव, खण्ड विकास अधिकारी छोटूराम मीणा, ग्राम विकास अधिकारी सावित्री कुमारी यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पापड़ वाले हनुमान मंदिर में 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ में...

17 से बहेगी भक्ति और आध्यात्म की गंगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी के विद्याधर नगर (सेक्टर-8) स्थित सुप्रसिद्ध प्राचीन श्री पापड़ वाले हनुमान जी मंदिर में भक्ति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। मंदिर परिसर में 17 मई से 25 मई तक आयोजित होने वाले भव्य नव दिवसीय 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ की तैयारियां विधिवत रूप से शुरू हो गई। इस पावन अनुष्ठान के शुभारंभ स्वरूप मंदिर प्रांगण में पूर्ण विधि-विधान के साथ भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ध्वज स्थापना

महायज्ञ का आगाज़ मंदिर के महंत महामंडलेश्वर राम सेवक दास महाराज के पावन सानिध्य में हुआ। यज्ञाचार्य पंडित सतीश शास्त्री ने सात्विक और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ भूमि पूजन संपन्न कराया। गगनभेदी जयकारों और मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ स्थल पर धर्म ध्वजा स्थापित की गई। इस दौरान संपूर्ण परिसर हनुमान जी और श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

संतों और गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति

- » आसपास के प्रमुख मंदिरों के महंत एवं साधु-संत।
- » क्षेत्रीय समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक।
- » मंदिर विकास समिति एवं श्रीराम महायज्ञ व्यवस्था समिति के अध्यक्ष व पदाधिकारी।
- » बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु।
- » 9 दिनों तक चलेगा धार्मिक अनुष्ठानों का दौर।

आयोजन समिति ने बताया कि 17 मई से शुरू होने वाले इस महायज्ञ में 108 यज्ञ कुंड बनाए जा रहे हैं, जहाँ मुख्य यजमानों द्वारा विश्व शांति और लोक कल्याण की कामना के साथ आहुतियां दी जाएंगी।

कार्यक्रम

- » **प्रतिदिन के कार्यक्रम:** यज्ञ के साथ-साथ प्रतिदिन वेदी पूजन, हवन, विशिष्ट धार्मिक अनुष्ठान और विद्वान संतों द्वारा प्रवचनों की गंगा बहेगी।
- » **तैयारियां:** महायज्ञ की विशालता को देखते हुए भोजन व्यवस्था, आवास और श्रद्धालुओं के बैठने के लिए भव्य पाण्डाल की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं।

क्षेत्र में उत्साह का माहौल

विद्याधर नगर सहित पूरे जयपुर शहर में इस 108 कुंडीय महायज्ञ को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर महायज्ञ के आयोजन से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना का संचार होगा।

13 जोनों में व्यापारिक संस्थानों, स्कूलों, कोचिंगों पर मॉक ड्रिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भीषण गर्मी एवं बढ़ती अग्नि दुर्घटनाओं के मध्यनजर नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार अग्निशमन शाखा द्वारा 13 जोनों में व्यापारिक संस्थानों, स्कूलों, कोचिंग आदि स्थानों पर मॉक ड्रिल एवं सुरक्षा जागरूकता अभियान किया गया। अभियान के तहत कोचिंग, होटल, हॉस्पिटल, स्कूल, मिल्स इत्यादि में प्रतिष्ठानों पर मॉक ड्रिल आयोजित कर अग्निकाण्ड की स्थिति में बचाव, प्राथमिक प्रतिक्रिया एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान कार्मिकों द्वारा अग्निषमन उपकरणों के सही उपयोग, आपातकालीन निकासी व्यवस्था तथा आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों के संबंध में आमजन एवं कर्मचारियों को प्रषिक्षण दिया गया। नगर निगम जयपुर द्वारा चलाए गये इस अभियान का मुख्य उद्देष्य जन सामान्य को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता करना तथा संभावित अग्नि दुर्घटनाओं में जन-धन की हानि को न्यूनतम करना है। इससे पूर्व 14 अप्रैल 2026 से 10 मई 2026 तक 103 प्रतिष्ठानों में मॉक ड्रिल करवाई गई है।

राज्य में डेयरी विस्तार के लिए मुख्य परियोजनाओं को केन्द्र की सहमति

मुख्यमंत्री की राज्य में डेयरी विस्तार की परिकल्पना जल्द होगी साकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के डेयरी क्षेत्र में विस्तार और आरसीडीएफ के सरस ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की परिकल्पना बहुत जल्द साकार होगी। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में केंद्र सरकार ने आरसीडीएफ को 1500 करोड रूपये की सहायता उपलब्ध कराने पर सैद्धान्तिक सहमति दी है। केंद्र सरकार की जीका (जापान इन्टरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी) परियोजना के अन्तर्गत 1000 करोड और एनपीडीडी (नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डवलपमेन्ट) परियोजना के अन्तर्गत 500 करोड रूपये की सहायता पर सहमति दी गई है। इस राशि से आरसीडीएफ के दुग्ध संकलन, प्रसंस्करण और विपणन में विस्तार होगा। आरसीडीएफ में वर्तमान में संकलित हो रहे 45 लाख लीटर प्रतिदिन को बढाकर 65 लाख लीटर प्रतिदिन किया जायेगा। राज्य में दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता में 20 लाख लीटर प्रतिदिन की बढोतरी की जायेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में पूर्व में हुई दो राज्य स्तरीय बैठको में लिये गये निर्णयों की क्रियान्वति को मूर्त रूप देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार सरस को केवल डेयरी सहकारी संस्था के रूप में नहीं बल्कि एक मजबूत एवं व्यापक राष्ट्रीय डेयरी ब्रांड के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होने राज्यभर में सरस आउटलेट एवं डेयरी पार्लरों का विस्तार करने, नये प्रोसेसिंग प्लान्ट स्थापित करने तथा दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता बढने के निर्देश दिये। उन्होने अधिकारियों से कहा कि आवश्यक परियोजनाओं को वित्त विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र आगे बढाया जाये। उन्होने कहा कि राजस्थान में दुग्ध उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण एवं विपणन की एकीकृत वेल्यू चेन विकसित की जाये ताकि दुग्ध उत्पादकों को अधिक लाभ मिल सके। बैठक में राजस्थान राज्य में डेयरी विकास की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार से राज्य के दुग्ध उत्पादकों को लाभान्वित करने के लिए अपेक्षित आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग का आग्रह किया गया। केन्द्र के मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के सचिव नरेश पाल गंगवार ने कहा कि राजस्थान में डेयरी के क्षेत्र में परियोजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। उन्होने कहा कि आरसीडीएफ द्वारा नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डवलपमेन्ट (एनपीडीडी) योजना के 100 प्रतिशत क्रियान्वयन की सराहना करते हुए सरस को राष्ट्रीय ब्रांड बनाने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र के दीर्घकालीन विकास के लिए पशुधन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं उच्च गुणवत्तायुक्त नस्लों के पशु तैयार होने के बाद ही संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन तंत्र को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

सरकार योजनाएं दे सकती है, पर बचत की आदत हमें डालनी है...

अल्पमल्पमप्ययस्यैव, संचयः क्रियते यदि।
कुम्भो पूर्यते पूरैः, तथा संचयिता धनम्॥

नविता मिश्रा
समाजविद्
@jagrukjanta.net

संस्कृत के इस श्लोक का हिंदी अर्थ हैं- जैसे छोटी-छोटी बूंदों से घड़ा भर जाता है, वैसे ही थोड़ा-थोड़ा धन बचाने (संचय करने) से बड़ा कोष बन जाता है। यही बात भारत में हमारे पूर्वजों ने अपनी आने वाली पीढ़ियों को विरासत के रूप में दी थीं। परंतु मार्केटिंग की चक्का चौंध में ना जाने हम मूल रूप से मिली शिक्षा को कहा भूल आए। EMI पर बिना जरूरत नए गैजेट्स अपग्रेड के नाम पर अपना खर्चा बढ़ा रहे हैं। हमेशा क्यों छोटी बातों को सिखाने के लिए बड़े संकट की प्रतीक्षा की जाएं। क्यों देश के प्रधानमंत्री को सिर्फ बचत करने के लिए जनता को संबोधित करना पड़े। कुछ मुख्य बातें जो माननीय प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित करते हुवे कही।

छोटे कदम, बड़ा भविष्य

उन्होंने'बचत' को एक राष्ट्रीय आदत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बचत सिर्फ पैसा जमा करना नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की नींव है।

1. **छोटी बचत, बड़ी ताकत** : पीएम ने कहा कि रोज 10-20 रुपये की बचत भी सालभर में एक परिवार को आपात स्थिति में सहारा दे सकती है। उन्होंने 'गुल्लक संस्कृति' को वापस लाने की बात कही।
2. **फिजूलखर्ची से बचें, भविष्य सुरक्षित करें** : संबोधन में युवाओं से खास अपील की गई कि दिखावे और अनावश्यक खर्चों से बचें। मोबाइल रिचार्ज, ऑनलाइन शॉपिंग और ईएमआई के जाल में फंसने की बजाय, आय का एक हिस्सा निवेश करें। "आज की बचत, कल का सुकून"।
3. **बचत से विकास** : पीएम ने समझाया कि देश के नागरिक जब बैंक, पोस्ट ऑफिस या म्यूचुअल फंड में पैसा रखते हैं, तो वही पैसा सड़क, अस्पताल, स्कूल और फैक्ट्री बनाने के काम आता है। यानी आपकी बचत सीधे देश के विकास में लगती है।
4. **डिजिटल बचत को बढ़ावा** : UPI और मोबाइल बैंकिंग के जरिए अब हर व्यक्ति 1 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है। उन्होंने 'रोज 1 डिजिटल बचत' का मंत्र दिया, जिससे युवा आदत डालें।

प्रधानमंत्री का संबोधन सीधा था - कमाना जरूरी है, पर बचाना उससे भी ज्यादा जरूरी। महंगाई, बीमारी या नौकरी जाने जैसी स्थिति में बचत ही सबसे बड़ी ताकत बनती है। सरकार योजनाएं दे सकती है, पर बचत की आदत हमें खुद डालनी होगी।

एक विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब हर घर में बचत की आदत होगी। क्योंकि बूंद-बूंद से ही घड़ा भरता है।

इसलिए आज देश वाशियों को फिर अपनी पुरानी आदतें वापस लाने की जरूरत हैं। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करे, फिजूल घूमने से बचे, घर में बनाए घर में खाएं, विदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल ना के बराबर हो, देश का पैसा देश में रहे। दिखावटी चीजों में व्यर्थ पैसा ना अटकाए। कम से कम आम आदमी ऐसे जिए कि उसे आर्थिक परेशानी न हों और ऐसा करना ज्यादा मुश्किल नहीं हैं बस प्रयास निरंतर हो।

महिला मंडल द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रारंभ

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सेतु मार्ग माहेश्वरी महिला मंडल एवं आर्य वीर दल के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर गार्डन में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया, जो प्रतिदिन सायंकाल 5 से 6:30 बजे तक संचालित रहेगा। साथ ही बालको हेतु 19 से 28 मई तक दस दिवसीय पूर्ण आवासीय आत्मरक्षा एवं चरित्रनिर्माण शिविर का आयोजन श्रीगुरुकुल रेलवे स्टेशन के पीछे किया जाएगा। मंडल संरक्षिका मिता राठी तथा अध्यक्ष रतन काबरा ने बताया कि गणगौर गार्डन में आयोजित इस प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में महिलाएँ एवं बालिकाएँ भाग लेकर आत्मसम्मान व आत्मरक्षा के गुर सीख रही हैं। आर्य वीर दल के उदयपुर संभाग संचालक विशाल माहेश्वरी, प्रांतीय व्यायाम शिक्षक दिनेश आर्य एवं जितेन्द्र आर्य के निर्देशन में प्रतिभागी उत्साह के साथ अभ्यास कर रहे हैं। महिला मंडल पदाधिकारी वैशाली गदिया, कृष्णा सोमानी एवं तृप्ता काबरा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास का संचार करते हैं। प्रियंका मूंदड़ा, प्रियंका डाड एवं गायत्री लड्डा ने बताया कि यह शिविर आगामी दिनों तक नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सरस्वती शर्मा, वंदना काबरा, भारती डागा, निशा कलन्त्री, इन्दिरा काबरा, ज्योति साहू, रेखा शर्मा, ज्योति श्रीवास्तव सहित अन्य महिलाएँ उपस्थित रहीं।

मजदूरों, कर्मचारियों व मेहनतकश जनता की समस्याओं के समाधान की मांग

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय मांग दिवस पर देशभर के मजदूरों, कर्मचारियों व मेहनतकश जनता की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर संयुक्त ट्रेड यूनियनों द्वारा मंगलवार मंगलवार को राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। कालूराम सुथार ने बताया कि बदले गये श्रम कानूनों की प्रतियां जला कर विरोध प्रदर्शन किया गया। सौंपे ज्ञापन में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर लगाम लगाने के प्रयास करने, घरेलू गैस सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने, जन विरोधी श्रम संहिता को वापस लेने, ट्रेड यूनियनों के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हेतु श्रम सम्मेलन आयोजित कराने की मांग की गई। इसी के साथ नोएड़ा, ग्रेटर नोएडा, मानेसर, गुरूग्राम, फरिदाबाद आदि स्थानों से गिरफ्तार किये गये हड़ताली श्रमिकों को रिहा कर मुकदमें वापस उठाने, संविदा एवं ठेका श्रमिकों को समान काम, समान वेतन देकर स्थायी करने, आठ घंटे कार्य व अधिक कार्य का दो गुना वेतन देने, आंगनवाड़ी, आशा सहयोगिनी व साथिनों, नरेगा, मीड डे मिल श्रमिकों को न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रति माह देने, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, ईएसआई, पीएफ की गारंटी देने, श्रमिक आंदोलनों में पुलिस दखल समाप्त करने की मांग की गई। आम सभा के बाद यूनियन के बाबुलाल पंवार के निधन पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान सत्यनारायण मेनारिया, चेन सिंह, धर्मपुरी गोस्वामी, कैलाश कंवर, महावीरसिंह, अशोक शर्मा, घनश्याम सिंह, नरेन्द्र भाटी, महेन्द्र सिंह, केशूराम, सुमेर सिंह, मनोज सुथार, किशन सिंह सहित औद्योगिक प्रतिष्ठानों के श्रमिक संगठनों ने भाग लिया।

जिला कारागृह का किया निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा मंगलवार को जिला कारागृह का निरीक्षण किया गया। सचिव गोयल द्वारा रसोईघर, बैरक, शौचालय, स्नानागार का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने के साथ ही बंदियों से वार्तालाप कर सुविधाओं की जानकारी ली। बंदियों की विधिक सहायता के लिए संचालित बंदी विधिक सहायता क्लिनिक रजिस्टर की जाँच की गई तथा लीगल हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। सचिव ने बताया गया कि यदि कोई वकील बंदी की तरफ से पैरवी नहीं कर रहा है अथवा उसे निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता है तो वह विधिक सहायता क्लिनिक के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकता है। जिन बंदियों के जमानत आवेदन हो चुके हैं, उनके परिजनों से संपर्क कर जमानती पेश करवाने हेतु भी निर्देशित किया। इस दौरान जेल अधीक्षक नरेन्द्र स्वामी, पैनल अधिवक्ता भारती गहलोत एवं विधि प्रशिक्षु मेहल लड्डा आदि उपस्थित रहे।

मरणोपरांत किया नेत्रदान

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। मरकर भी किसी की आंखों में उजाला भर देना ही सच्चा जीवन है। इसी महान संकल्प को साकार करते हुए मंगलवार को प्रताप नगर हाउसिंग बोर्ड निवासी जगदीश चंद्र काकानी का आकस्मिक निधन होने पर उनके परिजनों ने अत्यंत मानवता और सेवा की भावना के साथ मरणोपरांत नेत्रदान का निर्णय लेकर एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। दिवंगत के परिजन नाथूलाल, रमेश चंद्र, धर्मपत्नी भगवती देवी, अनिल, मनीष, पुत्री मंजू, मुकेश, योगेश, महेश, बनवारी, मनमोहन एवं अन्य परिवारजन के आग्रह एवं उपस्थिति में भारत विकास परिषद के सत्य नारायण काबरा की प्रेरणा से महावीर इंटरनेशनल द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण करवाई गई।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने की समयावधि में आवेदन करने की अपील

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन के लिए पात्र अभ्यर्थियों से 31 मई तक आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आवेदन का यह अंतिम अवसर होगा, इसके बाद तिथि में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश के छात्र छात्राओं के हित को देखते हुए तिथि को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई 2026 किया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थी हित में राज्य से बाहर स्थित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन कर रहे राजस्थान राज्य के मूल निवासी विद्यार्थियों के लिए पंजीकृत पात्र शिक्षण संस्थाओं को इस वर्ष के लिए विभागीय स्तर से अनुमत कर दिया गया है। सामाजिक न्याय मंत्री ने बताया कि राज्य में स्थित आई.टी.आई. शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के हित में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गए डेटा अनुसार आई टी आई शिक्षण संस्थानों को भी छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्रदर्शित किया जा चुका है। अतः छात्रवृत्ति हेतु समस्त पात्र छात्र-छात्राएं निर्धारित तिथि से पूर्व आवेदन करना सुनिश्चित करें। गहलोत ने कहा कि अभ्यर्थी उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं से संबंधित केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा जारी अद्यतन दिशा-निर्देशों के लिए www.sjm-snew.rajasthan. gov.in/ scholarship ya विभागीय वेबसाइट sje.rajasthan.gov.in भी विजिट करें।

माटी कला राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा

जयपुर @ जागरूक जनता। श्रीयादे माटी कला बोर्ड, राजस्थान के गवर्निंग बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को उद्योग भवन स्थित बोर्ड रूम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बोर्ड अध्यक्ष टाक ने कहा कि माटी कला राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, जिसे संरक्षित और प्रोत्साहित करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कारीगरों के कल्याण और उनकी कला को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में उठाए गए सभी प्रस्तावों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि माटी कला से जुड़े हजारों परिवारों को इसका सीधा लाभ मिल सके।

जागरूक खबरें

चौरासी कोस परिक्रमा के रास्ते अब तक सुधारे नहीं जाने पर साधु संत नाराज

भरतपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में धार्मिक आस्था के मद्देनजर 17 मई से शुरू हो रहे अधिक मास के दौरान ब्रज 84 कोस की परिक्रमा के लिए देश विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को राजस्थान में डीग जिले में 67 किमी (24 कोस) की पैदल परिक्रमा के असुविधाओं का सामना करने की सम्भावनाओं को देखते ब्रज के साधु संत आक्रोशित हैं। साधु संतों ने बताया कि परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे, मिट्टी का कटाव, अतिक्रमण, निर्माण सामग्री का ढेर, रास्ते में फैली कंटीली झाड़ियाँ, खराब हैंडपंप और पेयजल संकट हैं। बिजली के ढीले तार भी खतरे का कारण बने हैं। उन्होंने सरकार एवं प्रशासन को चेतावनी दी कि परिक्रमा शुरू होने में 13 दिन शेष रहने के बाद भी मार्ग की दुर्दशा से श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा तो इसके गम्भीर परिणाम हो सकते हैं।

लोकगीत, नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से ग्रामीणों को किया जाएगा जागरूक

ग्राम रथ अभियान के जरिए गांव-गांव पहुंच रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण अंचलों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान जिलेभर में निरंतर गति पकड़ रहा है। अभियान के तहत ग्राम रथों एवं कला जत्थों के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर आमजन, किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं पशुपालकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी सरल, सहज एवं आकर्षक तरीके से दी जा रही है।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी ने बताया कि 12 मई को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ग्राम रथों के साथ कला जत्थे भी शामिल रहेंगे, जो स्थानीय भाषा, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि बायतु विस क्षेत्र की ग्रामपंचायत बागावास, सिमरखिया, मोहनपुरा एवं मुकनपुरा में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को कृषि, पशुपालन, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। ग्रामीणों को योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया से भी अवगत कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसी प्रकार सिवाना विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिलासार, सारणों का तला, लूखों की ढाणी, समदडों का तला एवं होडू में ग्राम रथ पहुंचकर राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा। ग्राम रथों पर लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से योजनाओं से संबंधित लघु फिल्में, डॉक्यूमेंट्री एवं जनहित संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी आसानी से समझ में आ सकेगी। वहीं पचपदरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जानीयाना, सराणा, पारलू एवं कनाना में कला जत्थों द्वारा लोकशैली में आकर्षक एवं संदेशपरक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। लोक कलाकार गीत-संगीत, लोकनृत्य एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित करेंगे। इन प्रस्तुतियों के जरिए सामाजिक सरोकारों एवं जनहित संदेशों को भी प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ग्राम रथ अभियान के माध्यम से ग्रामीणों में योजनाओं के प्रति उत्साह एवं जागरूकता निरंतर बढ़ रही है तथा आमजन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लेने के लिए आगे आ रहे हैं।

कुर्ती हुआ रिलीज, लोगों को करेगा दीवाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। रिज़ी रिज़ मुख्य रूप से 2026 के एक उभरते हुए यूके, पंजाबी/हिंदी गायक और संगीतकार हैं। देसी प्राइड रिकॉर्ड्स लेबल के साथ जिनका नया गीत Kurti रिलीज हो चुका है। मीडिया मैनेजर शुभम जैन ने बताया रिजी रिज नचदी टपदी, सहेलियाँ गीत विदेश में भारत मै बहुत पसंद किया गया है। अब कुर्ती गीत भी अच्छा बनाया है जिसको सभी के साथ से और अच्छा रिलीज हो गया है। जिसको सोशल प्लेटफॉर्म के कही जगह पर भी रिलीज कर दिया गया है। कही म्यूजिक क्लब और संगीत मै गीत की धुन पर लोगो को दीवाना करेगा।

कोटा अस्पताल में सीनियर डॉक्टर की मौजूदगी में ही होगा ऑपरेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। न्यू मेडिकल कॉलेज और जेके लोन अस्पताल में प्रसूताओं का स्वास्थ्य बिगड़ने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ कोटा पहुंचीं। उन्होंने बीमार प्रसूताओं का हाल जाना, साथ ही, चिकित्सा अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी भी दी।

परिजनों को दिया भरोसा

गायत्री राठौड़ ने सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती प्रसूता पिंकी, धन्नी बाई, आरती और रागिनी मीणा से मुलाकात की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि इलाज में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। अच्छी खबर यह है कि चंद्रकला और सुशीला जैसी प्रसूताओं की हालत में सुधार के बाद उन्हें वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। जयपुर से आए वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. धनंजय अग्रवाल की देखरेख में इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

यूनिट हेड, संस्थान प्रभार जिम्मेदार

अस्पताल प्रशासन के साथ उच्च स्तरीय बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने दो-टूक कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने नए प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए। अब ओटी और आईसीयू का नियमित स्टरलाइजेशन अनिवार्य होगा। सर्जरी के समय वरिष्ठ सर्जन और संवेदनशील यूनिट्स में सीनियर डॉक्टर्स की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। यदि आगे ऐसी चूक होती है, तो संस्थान प्रभारी और यूनिट हेड सीधे तौर पर उत्तरदायी होंगे।

'दोषी बचेंगे नहीं, होगी निष्पक्ष जांच

राठौड़ ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ पर पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। अब पूरे प्रकरण की गहन और निष्पक्ष जांच की जा रही है ताकि संर् मण फैलने के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

किस प्रिंटिंग प्रेस में छपती है फर्जी डिग्रियां? SOG ने शुरू की जांच, राजस्थान की कई यूनिवर्सिटी रडार पर

एसओजी की जांच में सामने आया कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से पीएचडी, एमए समेत सैकड़ों फर्जी डिग्रियां बेची गईं। इस मामले में कई अन्य विश्वविद्यालय भी रडार पर है।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री मामले की जांच में नए तथ्यों के खुलासे हुए हैं। राजस्थान सरकार ने अवैध पीएचडी डिग्रियों की लिस्ट तैयार करना शुरू कर दिया है। 425 अवैध पीएचडी डिग्रियों की जांच के बाद यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी किया है। एसओजी पूरे फर्जी डिग्री रैकेट और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की गहराई से जांच कर रही है। एसओजी को संदेह है कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी के साथ-साथ कई अन्य विश्वविद्यालयों की भी फर्जी डिग्री उपलब्ध करवाई गई है।

10 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

आरपीएससी की प्राध्यापक भर्ती-2022 में लगाई गई फर्जी डिग्री के सत्यापन के दौरान पूरे मामले का खुलासा हुआ। बताया जा रहा है कि कमला कुमारी नामक महिला अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत डिग्री जांच में फर्जी पाई गई थी। इसके बाद एसओजी ने कार्रवाई तेज करते हुए अब तक 10 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मेवाड़ यूनिवर्सिटी के डीन और पूर्व प्रेसिडेंट भी शामिल हैं।

सरकारी नौकरी में जमकर हुआ फर्जी डिग्री का इस्तेमाल

पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यूनिवर्सिटी के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से सैकड़ों डिग्रियां बेची गईं। आरोपियों ने फर्जी पीएचडी, एमए और अन्य डिग्रियां तैयार कर उसे स्टूडेंट्स को बेचा। आशंका है कि इन डिग्रियों के जरिए कई अभ्यर्थियों ने सरकारी नौकरी भी हासिल कर ली। मामले में मास्टरमाइंड आरोपी वीरेंद्र सिंह पवार से पूछताछ में अब यह खंगाला जा रहा है कि कितने फर्जी डिग्री होल्डर है और कितने लोग नौकरियां प्राप्त कर चुके हैं। इन सभी पहलुओं पर जांच जारी है। साथ ही ऐसी कितनी प्रिंटिंग प्रेस है, जहां पर फर्जी डिग्री छपवाई गई उसकी भी लिस्ट तैयार की जा रही है।

सीएम से शिकायत करने की बात कह चुके हैं किरोड़ीलाल मीणा

पहली बार नहीं है, जब किरोड़ीलाल मीणा खफा नजर आ रहे हैं। पिछले साल, वो खुद अपनी टीम के साथ गए थे और जो 200 से अधिक अभ्यर्थियों की कॉपियां सीज करके ले गए। किरोड़ी लाल मीणा ने स्हल की जांच पर सवाल खड़ा करते हुए कहा था कि एसओजी तमाशा कर रही है और यह अब तमाशा नहीं चलेगा। इसकी शिकायत सीएम से की जाएगी।

माधव विवि के विद्यार्थियों का श्री सीमेंट लिमिटेड में शानदार चयन, विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के लिए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डिप्लोमा एवं बी.टेक. विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनी में साइट सर्विस इंजीनियर पद पर चयन हुआ है। यह चयन शैक्षणिक सत्र 2023-26 के विद्यार्थियों का हुआ है, जो उनकी मेहनत, लगन तथा विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण का उत्कृष्ट परिणाम माना जा रहा है।

चयनित विद्यार्थियों में रमेश कुमार, गोकुल कुमार, यश पंवार, रघुवीर सिंह, निखिल कुमार, कुंदन प्रजापत, रतना राम, गेबीलाल, उत्तम कुमार, रोहित कुमार एवं पारसा राम शामिल हैं। चयन की जानकारी श्री सीमेंट लिमिटेड के मानव संसाधन विभाग से प्राप्त हुई।

मांजू आईएफडब्ल्यूजे के जिलाध्यक्ष मनोनीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। इंडियन फैडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट

राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राठौड़ ने बालोतरा जिला इकाई के जिलाध्यक्ष पद पर करनाराम मांजू को मनोनीति किया हैं। मांजू ने जिलाध्यक्ष मनोनीत करने पर प्रदेशाध्यक्ष सहित जोधपुर संभाग प्रभारी और बालोतरा जिले के पत्रकारों का आभार जताया हैं। जिलाध्यक्ष मनोनीति होने पर मांजू ने कहा कि मै सभी पत्रकारों के सहयोग से संगठन को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा साथ सभी साथियों को साथ लेकर जिले में संगठन को मजबूत करूंगा।

बिरला कॉर्पोरेशन का मुनाफा 89% बढ़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड सीमेंट बिक्री और 89 प्रतिशत लाभ वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 558 करोड़ रुपये पहुंच गया। सीमेंट बिक्री 18.72 मिलियन टन रही, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 295 करोड़ रुपये रहा तथा सीमेंट बिक्री 5.45 मिलियन टन तक पहुंच गई। प्रीमियम और ब्लेंडेड सीमेंट की बढ़ती मांग से कंपनी को फायदा मिला। कंपनी ने हरित ऊर्जा उपयोग बढ़ाकर 31 प्रतिशत कर दिया है तथा आरएमसी व निर्माण रसायन कारोबार में भी विस्तार किया जा रहा है।

जिला कलक्टर ने गायों को गुड़ खिलाकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा, हीटवेव से बचाव के दिए निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने मामडियाई गौशाला का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला परिसर का अवलोकन करते हुए पशुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, चारे-पानी एवं स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। जिला कलक्टर यादव ने गौशाला में मौजूद गायों को स्वयं गुड़ खिलाकर स्नेह व्यक्त किया तथा पशुओं की देखभाल के संबंध में संचालकों से जानकारी ली। उन्होंने गर्मी एवं हीटवेव को देखते हुए गौवंश के संरक्षण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान मौसम को देखते हुए गौशाला में पर्याप्त छाया, स्वच्छ पेयजल एवं नियमित चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि पशुओं को गर्मी से राहत मिल सके। साथ ही गौशाला परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने गौशाला संचालक वेदानंद सरस्वती से वार्ता कर गौशाला की व्यवस्थाओं, पशुओं की संख्या एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

रमेश ईनाणी हत्याकांड का मुख्य आरोपी रमता राम गिरफ्तार, 50 हजार था इनाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के बहुचर्चित रमेश ईनाणी हत्याकांड में आखिरकार करीब 6 महीने से फरार चल रहा मुख्य आरोपी रमता राम अब कोतवाली थाना पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी और कई जगह दबिश भी दी गई थी, लेकिन वह लगातार बचता रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने उस पर पहले 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। बाद में इनाम बढ़ाकर 25 हजार रुपए किया। मामला पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ था, इसलिए उदयपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस की ओर से भी रमता राम पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। अब पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है। 11 नवंबर 2025 को कृष्णा नगर निवासी भाजपा नेता और व्यापारी रमेश चंद्र ईनाणी रोज की तरह सुबह करीब 11 बजे अपनी स्कूटी से दुकान के लिए निकले थे। जैसे ही वे सिटी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, पीछे से बाइक पर आए हमलावर ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से वे गंभीर घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उदयपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से पूरे जिले में सनसनी फैल गई थी। व्यापारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला था। लोगों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए थे। लगातार बढ़ते दबाव के बीच पुलिस ने जांच तेज की और अलग-अलग टीमों का गठन किया गया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म

दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

- सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना से जुड़ा डीग जिला

21 गांवों की 4350 हेक्टेयर कृषि भूमि होगी सिंचित-रावत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डीग। राज्य सरकार किसानों के उत्थान और सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में सोमवार को डीग जिले के ग्राम परमदरा में जल संसाधन विभाग की लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत वाली प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 9 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री व प्रभारी मंत्री भरतपुर एवं डीग श्री सुरेश सिंह रावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अध्यक्षता गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने की। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान व आमजन कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान डीग तहसील एवं जिले में किसानों की सुविधा के लिए ककड़ा चैनल (आर.डी. 0 से 8500 मीटर) के जीर्णोद्धार तथा गुड़गांव कैनाल सिंचाई परियोजना के अंतर्गत टेल डिस्ट्रीब्यूटरी (चैन 0 से 220) और इसकी माइनर्स के पुनरुद्धार कार्यों का विधिवत लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया गया। इसके अतिरिक्त, बजट घोषणा के अंतर्गत डीग डिस्ट्रीब्यूटरी की दिदावली, परमदरा एवं डीग सब-माइनर के पुनरुद्धार कार्य का शिलान्यास भी किया गया।

मरु प्रदेश से हरित प्रदेश बन रहा है राजस्थान

समारोह को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि इन सिंचाई परियोजनाओं से क्षेत्र के 21 गांवों की 4350 हेक्टेयर कृषि भूमि को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान मरु प्रदेश से हरित प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। डीग जिले के विकास पर उन्होंने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गृह राज्य मंत्री की मांग पर डीग जिले को भी संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना से जोड़ दिया गया है। इससे चम्बल, कालीसिंध और पार्वती नदियों का पानी यहां आएगा और पेयजल व सिंचाई की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

खोहवाटी बनेगा विकसित नगर- गृह राज्य मंत्री

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गुड़गांव कैनाल का पानी मिलने पर किसानों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि नगर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 1800 करोड़ रुपये के विकास कार्य और 100 से अधिक सड़कों का निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने संकल्प दोहराया कि कभी पिछड़ा माने जाने वाले खोहवाटी क्षेत्र को अब विकसित नगर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीकरी बांध को चम्बल परियोजना से जोड़ने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। राज्य में मादक पदार्थों की रोकथाम पर बोलते हुए श्री बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा गठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स से नशे के खिलाफ बड़ी और प्रभावी कार्रवाई हुई है। इससे आमजन को भारी राहत मिली है। विकास को केवल ढांचागत ही नहीं बल्कि मानसिक और शैक्षणिक भी बताते हुए उन्होंने कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा गाए गए लोकगीतों की सराहना की और कहा कि ये नव-ऊर्जा का

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

हिमंता बने असम के दुबारा मुख्यमंत्री, चार अन्य मंत्री भी मंत्रिमंडल में शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुवाहाटी। भाजपा के नेता हिमंता बिस्वा सरमा को मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलायी गयी। उनके साथ चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथी। इसके साथ ही सरमा दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 126 सीटों के साथ दो तिहाई से भी अधिक बहुमत हासिल किया है। सरमा को यहां राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज पूर्वाह्न पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। उनके अलावा रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग को मंत्रिपद की शपथ दिलायी गयी। अतुल बोरा भाजपा के सहयोगी दल असम गणपरिषद से तथा चरण बोरो बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा कई अन्य केन्द्रीय मंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन मौजूद थे। भाजपा और उसके गठबंधन के शासन वालों राज्यों के मुख्यमंत्री तथा राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन के विभिन्न दलों के नेता भी इस मौके पर मौजूद थे। गुवाहाटी के खानपारा स्थित वेटनरी ग्राउंड में विशाल जनसमूह भी शपथ ग्रहण समारोह का साक्षी बना।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा